ओम सांई राम
सुरभि बोरवेल्स
SURBHI BORWELL'S
7, 6 एवं 4.5 नलकूप खनन हेतु संपर्क करें

संदीप मिश्रा
मो.-9826106555, 9329023102
रिसाली, कृष्णा टॉकीज रोड, डॉ. विपिन अरोरा के बाजू में, एक्सिस बैंक के एटीएम के पीछे, भिलाई (छ.ग.)

RNI. Reg. No. CHHHIN/2009/30534
डाक पंजीयन क्रं.-छ.ग./ दुर्ग /94/2020-22

श्रीकंचनपथ

प्रिंट और डीजिटल मीडिया में
सभी प्रकार के विज्ञापन के लिए
संपर्क करें
Mob.-:
9303289950
7987166110

साझा करें अपने मित्रों से
सांध्य दैनिक
दुर्ग-रायपुर-बस्तर संभाग
लीपा पोती नहीं सिर्फ सच
संस्थापक एवं प्रेरणास्रोत- स्व. श्रीमती रजनी अग्रवाल
वर्ष- 13, अंक - 281
श्रीकंचनपथ ONLINE
visit us http://www.shreekanchanpath.com
भिलाई, गुरूवार 28 जुलाई 2022
पृष्ठ 8- मूल्य 1/-

खास खबर...

कोरोना के उतार-चढ़ाव के बीच फिर मिले 491 नए मरीजे, 1 की मौत, एक्टिव केस 3809

रायपुर। छत्तीसगढ़ में कोरोना संक्रमण की बढ़ती रफ्तार ने राज्य सरकार की चिंता बढ़ा दी है। बुधवार को प्रदेश में 491 नए मरीज मिले हैं। इसके साथ ही एक्टिव मरीजों की संख्या बढ़कर 3809 पहुंच गई है। सबसे ज्यादा 715 रायपुर व 523 एक्टिव केस दुर्ग जिले में हैं। कोरोना से रायपुर जिले में एक संक्रमित की मौत भी हुई है। स्वास्थ्य विभाग ने कोविड गाइडलाइंस का सख्ती से पालन करने और वैक्सीनेशन में तेजी लाने के निर्देश दिए हैं।

राज्य कंट्रोल एंड कमांड सेंटर के मुताबिक बुधवार को 11 हजार 312 सैंपलों की जांच की गई, जिसमें 491 नए संक्रमित मिले हैं। रायपुर में जिले में सबसे ज्यादा 89 मरीजों की पुष्टि हुई है। पिछले 24 घंटे में 587 लोगों ने होम आइसोलेशन पूरा किया है। वहीं 13 लोग हॉस्पिटल से डिस्चार्ज हुए हैं। प्रदेश में पॉजिटिविटी दर 4.34 प्रतिशत है। छत्तीसगढ़ में कोरोना से अब तक 14 हजार 60 लोगों की जान जा चुकी है। वहीं अब तक 11 लाख 64 हजार 262 लोग संक्रमित हो चुके हैं। पूरे प्रदेश में दुर्ग, रायपुर व राजनांदगांव जिले में सबसे ज्यादा मरीज मिल रहे हैं।

अंतरिक्ष में आउट ऑफ कंट्रोल हुआ चीनी रॉकेट, कहीं भी गिर सकता है मलबा, भारत भी रडार में

नई दिल्ली (एजेंसी)। एक चीनी रॉकेट का मलबा अगले कुछ दिनों में कुछ समय के लिए पृथ्वी पर दुर्घटनाग्रस्त होने के लिए तैयार है। जब यह चीने गिरेगा तो दुनिया के एक बड़े हिस्से को प्रभावित कर सकता है। कैलिफ़ोर्निया स्थित एक गैर-लाभकारी संस्था एयरोस्पेस कॉर्प के अनुसार, 24 जुलाई को चीन द्वारा लॉन्च किए गए लॉन्ग मार्च 5बी रॉकेट का एक हिस्सा 31 जुलाई के आसपास एक अनियंत्रित रीएंट्री करेगा। आपको बता दें कि बूस्टर का वजन 23 मीट्रिक टन है। एयरोस्पेस की भविष्यवाणियों के अनुसार, मलबे के गिरने के संभावित क्षेत्रों में अमेरिका के साथ-साथ अफ्रीका, ऑस्ट्रेलिया, ब्राजील, भारत और दक्षिण पूर्व एशिया शामिल हैं। हालांकि, चीन इस चिंता को सिरे से खारिज कर रहा है।

हरेली: देश की पहली और अनोखी योजना की शुरूआत

सीएम भूपेश बघेल बने गोपालक, पांच लीटर गोमूत्र बेचकर कमाए 20 रुपए

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। छत्तीसगढ़ सरकार द्वारा शुरू की गई अपनी तरह की खास योजना गोमूत्र खरीदी हरेली के मौके पर शुरू कर दी गई। छत्तीसगढ़ मुख्यमंत्री भूपेश बघेल इस योजना के तहत गोमूत्र बेचने वाले पहले विक्रेता बन गए हैं। सीएम भूपेश बघेल ने कुल पांच लीटर गोमूत्र बेचकर 20 रुपए कमाए। इसके साथ ही इस योजना का शुभारंभ गया।

राज्य सरकार द्वारा हरेली के अवसर पर गोधन न्याय योजना के तहत गोमूत्र की खरीदी शुरू कर दी है। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल गोमूत्र खरीदी का शुभारंभ करते हुए 5 लीटर गौमूत्र बेचकर 20 रूपए प्राप्त किये। गांव के पशुपालक से सरकार 4 रुपए प्रति लीटर में गोमूत्र विक्रय कर सकेंगे। माना जा रहा है कि हरेली के मौके पर होने वाली इस खरीदी से प्रदेश के गौवंशपालकों को आर्थिक रूप से बड़ी मजबूती मिलेगी। अब गोबर के साथ गोमूत्र भी बेचने से उनकी आय में इजाफा होगा। जिससे पशुधन विकास के कार्य को बढ़ावा मिलेगा। विशेषज्ञ बताते है कि कृषि के साथ पशुपालन का कार्य करने से किसान अपनी आय को दोगुनी करने का लक्ष्य पा सकते हैं। बता दें कि मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने 20 जुलाई 2020 को हरेली पर्व के अवपर पर ही गोधन न्याय योजना की शुरूआत की थी। जानकारी के मुताबिक मुख्यमंत्री हरेली पूजास्थल में बैलगाड़ी से पहुंचेंगे। जहां वो परंपरागत रूप से गौमाता की और कृषि उपकरणों की पूजा करेंगे। मुख्यमंत्री खुद मशीन से पैरा काटकर गायों को खिलाएंगे। हम सभी जानते है की हरेली के मौके पर गोवंश की पूजा की जाती है। उल्लेखनीय है कि मुख्यमंत्री ने पिछले साल भी अपने निवास से बैलगाड़ी से निकल कर परंपरागत तरीके से हरेली का उत्सव मनाया था।

किसान सम्मेलन में नये कृषि उपकरणों की लांचिंग होगी । इसमें सबसे खास आकर्षण ड्रोन का होगा जिसके माध्यम से फर्टिलाइजर और कीटनाशक की समुचित मात्रा में काफी कम समय में छिड़काव हो सकेगा। इसके साथ ही कृषि के लिए उपयोगी अत्याधुनिक उपकरण भी दिखाए जाएंगे। साथ ही किसान आधुनिक तरीके से खेती के संबंध में और खेती में आई नई तकनीक के बारे में जानकारी ले सकेंगे। छत्तीसगढ़ में हरेली खेती के साथ ही खेलों का सबसे बड़ा दिन है। इस मौके पर करसा में गेड़ी रेस, भौंरा, गोली चम्मच, खोखो, रस्सा खींच, पिट्ठुल, कंचा, पतंग, तिग्गा गोटी और गिल्ली डंडा जैसे खेलों का आयोजन भी इसके विजेताओं को सम्मानित भी किया जाएगा।

मुख्यमंत्री बघेल ने प्रदेशवासियों को हरेली तिहार की दी बधाई और शुभकामनाएं

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने प्रदेशवासियों को हरेली तिहार की बधाई और शुभकामनाएं दी है। हरेली की पूर्व संध्या पर आज यहां जारी अपने शुभकामना संदेश में श्री बघेल ने कहा है कि हरेली छत्तीसगढ़ के जन-जीवन में रचा-बसा खेती-किसानी से जुड़ा पहला त्यौहार है। इसमें अच्छी फसल की कामना के साथ खेती-किसानी से जुड़े औजारों की पूजा की जाती है। इस दिन धरती माता की पूजा कर हम भरण पोषण के लिए उनका आभार व्यक्त करते हैं।

सीएम बघेल ने कहा कि गांव-गांव में हरेली के पर्व को बड़े उत्साह और उमंग से मनाया जाता है। नागर, गैंती, कुदाली, फावड़ा समेत कृषि के काम आने वाले सभी तरह के औजारों की साफ-सफाई और पूजा की जाती है। पारंपरिक तरीके से लोग गेड़ी चढ़कर हरेली की खुशियां मनाते हैं। प्राचीन मान्यता के अनुसार सुरक्षा के लिए घरों के बाहर नीम की पत्तियां लगाई जाती हैं। छत्तीसगढ़ की इस गौरवशाली संस्कृति और परम्परा को सहेजने के लिए छत्तीसगढ़ सरकार ने हरेली त्यौहार के दिन सार्वजनिक अवकाश भी घोषित किया है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि छत्तीसगढ़ की प्राचीन संस्कृति और परंपरा हमारा गौरव है। छत्तीसगढ़ सरकार ने अपनी संस्कृति और परम्परा को सहेजने के लिए कई अहम फैसले लिए हैं। हरेली के दिन ही दो साल पहले प्रदेश की महत्वाकांक्षी और अनूठी 'गोधन न्याय योजना' का शुभारंभ हुआ है। यह खुशी की बात है कि 'गोधन न्याय योजना' योजना ने गांवों की अर्थव्यवस्था के लिए एक मजबूत और नया आधार तैयार किया है। योजना के तहत पशुपालक ग्रामीणों से पिछले दो सालों में 150 करोड़ रूपये से अधिक की गोबर खरीदी की गई है। इससे स्व-सहायता समूहों द्वारा अब तक 20 लाख क्विंटल से अधिक जैविक खाद तैयार किया जा चुका है,जिसके चलते प्रदेश में जैविक खेती को बढ़ावा मिला है। इससे पशुधन के संरक्षण, संवर्धन और तरक्की की राह भी खुली है।वर्मी खाद के निर्माण और विक्रय से महिला स्व-सहायता समूहों और गौठान समितियों को 143 करोड़ से अधिक की राशि का भुगतान किया जा चुका है।

सीएम बघेल ने कहा है कि छत्तीसगढ़ में नरवा, गरवा, घुरवा, बारी योजना, गोधन न्याय योजना, और रोका-छेका अभियान लागू कर पारंपरिक संसाधनों को पुनर्जीवित कर ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूत बनाया जा रहा है। गौठानों को ग्रामीण आजीविका केंद्र के रूप में विकसित किया गया है। इस साल हरेली के दिन से गौठानों में 4 रूपए प्रति लीटर की दर से गो-मूत्र की खरीदी की शुरूआत की जा रही है। इससे प्रदेश में जैविक खेती और आर्थिक सशक्तिकरण के नए अध्याय की शुरूआत होगी। गो-मूत्र से महिला स्व-सहायता समूह की मदद से जीवामृत और कीट नियंत्रक उत्पाद तैयार किये जाएंगे। इससे ग्रामीणों को रोजगार और आय के नया जरिया मिलने के साथ जैविक खेती को बढ़ावा मिलेगा और कृषि लागत कम होगी। मुख्यमंत्री ने कहा है कि परंपराओं को आधुनिक जरूरतों के अनुसार ढालना सामूहिक उत्तरदायित्व का काम है। आशा है सभी प्रदेशवासी अपने पारंपरिक लोक मूल्यों को सहेजते हुए गढ़बो नवा छत्तीसगढ़ की परिकल्पना को साकार रूप देने के लिए सहभागी बनेंगे।

अर्पिता मुखर्जी के घर से अब तक 50 करोड़ कैश और 5 किलो सोना बरामद, ईडी को टॉयलेट में भी मिला खजाना

कोलकाता (एजेंसी)। पश्चिम बंगाल के मशहूर शिक्षक भर्ती घोटाले की जांच कर रहे प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) के अधिकारियों को उत्तर 24-परगना में अर्पिता मुखर्जी के बेलघोरिया फ्लैट से 5 किलो सोने के अलावा 28 करोड़ रुपये की नकदी मिले हैं। गुरुवार सुबह चार बजे तक नोटों की गिनती जारी रही। जांच एजेंसी ने कहा कि परिसर से बरामद कुल नकदी अब लगभग 50 करोड़ हो चुकी है। अधिकारियों ने कहा कि शौचालय से भारी मात्रा में पैसा बरामद किया गया है।

ईडी के अधिकारियों ने अर्पिता मुखर्जी के बेलघोरिया फ्लैट पर बुधवार सुबह तक यानी करीब 18 घंटे तक छापेमारी की। इससे पहले बुधवार को बेलघोरिया में दो फ्लैटों पर पूछताछ के बाद छापेमारी की गई थी। एक में करीब 22 करोड़ रुपये कैश और सोना मिला। रिपोर्टों में कहा गया है कि अर्पिता मुखर्जी ने दावा किया कि पार्थ चटर्जी ने उनके घर को मिनी बैंक के रूप में इस्तेमाल किया।

समाचार एजेंसी एएनआई द्वारा साझा की गई तस्वीरों में ईडी के अधिकारियों ने तृणमूल कांग्रेस नेता और बंगाल के मंत्री पार्थ चटर्जी के करीबी सहयोगी मुखर्जी के आवास से बरामद नकदी और आभूषणों से भरी लगभग 10 ट्रंक के साथ ट्रक को लोड किया। ममता बनर्जी के मंत्री को हाल ही में ईडी ने गिरफ्तार किया था।

ईडी के एक अधिकारी ने बताया कि इस बार उत्तर कोलकाता के बेलघरिया स्थित फ्लैट से नकदी मिली है जिसकी मालकिन मुखर्जी हैं। रथाला इलाके में अर्पिता के दो फ्लैट को ताला तोड़कर खोला गया क्योंकि उनकी चाबी नहीं थी। उन्होंने बताया, हमें हाउसिंग कॉम्प्लेक्स में दो में से एक फ्लैट में बड़ी मात्रा में नकदी मिली है। उन्होंने बताया कि फ्लैटों की तलाशी के दौरान कई अहम दस्तावेज भी बरामद हुए हैं। ईडी ने फ्लैट को सील कर दिया है। जांच एजेंसी ने पार्थ के सहयोगी और व्यवसायी मनोज जैन के बल्लीगंज स्थित आवास पर भी तलाशी ली है।

सुबह से जारी थी कार्रवाई

मुखर्जी ने पूछताछ के दौरान ईडी को कोलकाता के आसपास की अपनी संपत्ति की जानकारी दी थी। अधिकारी ने बताया कि बुधवार सुबह से ही इन संपत्तियों पर छापेमारी की कार्रवाई की जा रही है। मंत्री और मुखर्जी से पूछताछ के बारे में पूछे जाने पर उन्होंने कहा कि मुखर्जी जांच में सहयोग कर रही हैं, लेकिन मंत्री का रवैया असहयोगात्मक है। आपको बता दें कि कलकत्ता उच्च न्यायालय के निर्देश पर सीबीआई सरकारी सहायता प्राप्त स्कूलों में समूह 'ग' और 'घ' वर्ग के कर्मचारियों और शिक्षकों की भर्ती में हुई कथित अनियमितता की जांच कर रही है। वहीं, ईडी घोटाले में धनशोधन की जांच कर रहा है। उल्लेखनीय है कि जिस समय यह कथित घोटाला हुआ, उस समय पार्थ चटर्जी राज्य के शिक्षामंत्री थे।

फोर्स को नुकसान पहुंचाने नक्सलियों की साजिश, जवानों को एंबुश में फंसाने खड़ा किया पुतला, हाथ में पकड़ाया बंदूक

श्रीकंचनपथ न्यूज

दंतेवाड़ा। छत्तीसगढ़ के दंतेवाड़ा जिले में माओवादियों ने फोर्स के जवानों को भ्रमित करने, नुकसान पहुंचाने और ट्रैप में फंसाने के उद्देश्य से सड़क पर पुतला खड़ा कर दिया। उस पुतले के हाथ में लकड़ी से बना हथियार भी है। दूर से देखने पर वह हथियारबंद नक्सली की तरह दिख रहा था। बंदूक पकड़े पुतला को पेड़ के सहारे खड़ा किया गया था। ऐसा लग रहा था मानों कोई व्यक्ति बंदूक लेकर किसी को निशाना लगा रहा हो। जवानों को एंबुस में फंसाने माओवादी ने यह कायराना करतूत किया था। माओवादियों ने बैनर-पोस्टर भी लगाए थे, जिन्हें पुलिस ने बरामद कर लिया। शहीदी सप्ताह को लेकर नक्सल क्षेत्रों में पुलिस अलर्ट है।

मिली जानकारी के मुताबिक दंतेवाड़ा जिले के पल्ली-बारसूर मार्ग पर माओवादियों ने यह करतूत किया है। नक्सलियों ने 28 जुलाई से 3 अगस्त तक अपने मारे गए साथियों की याद में शहीदी सप्ताह मनाने का ऐलान किया है। शहीदी सप्ताह में जनता को जोड़ने के उद्देश्य से अंदरूनी क्षेत्रों में जगह-जगह पर बैनर पोस्टर भी लगाए हैं। माओवादियों की जगह-जगह पर बड़ी संख्या में मौजूदगी को देखते हुए जवान भी पूरी तरह सतर्क रहते हैं। जवानों की सर्चिंग को देखते हुए माओवादियों ने उन्हें अपने ट्रैप में फंसाने तरह-तरह के उपाय कर रहे हैं। पल्ली-बारसूर मार्ग पर माओवादियों ने इस पुतले को लगाया था, जिसे सीआरपीएफ 195 बटालियन व दंतेश्वरी फाइटर्स द्वारा जब्त कर लिया गया है और मार्ग को आवागमन के लिए खोल दिया है।

जवान चौकन्ने पर माओवादी कर रहे घटना

शहीदी सप्ताह के दौरान माओवादी अक्सर बड़ी घटनाओं को अंजाम देने की फिराक में रहते हैं, जिसे देखते हुए जवानों को हाई अलर्ट पर रखे जाने का दावा पुलिस के अधिकारी कर रहे हैं। बावजूद इसके माओवादी अलग-अलग क्षेत्रों में अपनी उपस्थिति दर्ज करा रहे हैं। बीते दिनों माओवादियों ने बीजापुर जिले में तीन वाहनों को आग के हवाले कर दिया था। वहीं सुकमा जिले में इसी महीने 3 ग्रामीणों की हत्या कर दी है। नक्सली लगातार ग्रामीणों को मुखबिरी का आरोप लगातार हत्या कर रहे हैं। मंगलवार की रात भी गादीरास थाना क्षेत्र में माओवादियों ने एक ग्रामीण की धारदार हथियार से हत्या कर दी।

जीएम पर छेड़छाड़ का केस, 3 शादी कर 2 पत्नियों को तलाक दे चुका, अब बहू से बनाना चाहता था संबंध

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। छत्तीसगढ़ के दुर्ग जिले में रिश्तों को शर्मशार करने वाली घटना सामने आई है। भिलाई इस्पात संयंत्र के एक महाप्रबंधक के खिलाफउसकी ही बहू ने नेवई थाने में एफआईआर दर्ज कराई है। जीएम अपनी बहू पर गंदी नजर रखता था और उससे संबंध बनाना चाहता था। घर की बात बाहर न जाए इसलिए बहू लंबे समय तक खामोश रही, लेकिन मंगलवार को उसने जबर्दस्ती करने की कोशिश की। महिला ने शोर मचाया तब जीएम ससुर ने उसे छोड़ दिया। आरोपी ससुर तीन-तीन शादियां कर चुका है। 2 को तलाक भी दे चुका है और तीसरी के तलाक का केस कोर्ट में लंबित है।

मिली जानकारी के अनुसार मंगलवार को 28 वर्षीय विवाहिता ने नेवई थाने पहुंचकर अपने ससुर के खिलाफ छेड़छाड़ की शिकायत दर्ज कराई है। भिलाई निवासी विवाहिता ने पुलिस को बताया कि उसका ससुर भिलाई इस्पात संयंत्र में महाप्रबंधक है। वह उस पर गंदी नजर रखता है। वह 3 शादियां कर चुका है और अपनी 2 पत्नियों को तलाक दे चुका है। तीसरी पत्नी को भी तलाक देने की तैयारी में है। विवाहिता ने पुलिस को बताया कि ससुर उससे संबंध बनाने की डिमांड करता रहता है। महिला की शिकायत पर नेवई पुलिस ने आरोपी ससुर के खिलाफ धारा 354, 509 के तहत अपराध दर्ज किया गया है।

अकेली पाकर जबर्दस्ती करने की कोशिश

नेवई थाना प्रभारी ममता शर्मा ने बताया कि बीएसपी के जीएम के खिलाफछेड़खानी का केस दर्ज किया गया है। मामले की जांच की जा रही है। आरोपी को गिरफ्तार किया जाएगा। विवाहिता की 5 साल पहले शादी हुई है। शादी के बाद से ही ससुर अपनी बहू पर बुरी नीयत रखता था। विवाहिता ने बताया कि घर की बदनामी न हो इसलिए वह इतने दिनों तक चुप रही। ससुर इसी बात का फायदा उठाने की कोशिश कर रहा था। विवाहिता ने बताया कि मंगलवार को उसके ससुर ने घर पर अकेली पाकर उससे जबरदस्ती करने की कोशिश की। उसने शोर मचा दिया तो उसने छोड़ दिया।

एक माह बाद भी मंत्रिमंडल का ठिकाना नहीं, शिंदे का दिल्ली दौरा टला

मुंबई (एजेंसी)। महाराष्ट्र में एकनाथ शिंदे के नेतृत्व वाले शिवसेना गुट और भाजपा के बीच मंत्रिमंडल विस्तार को लेकर गतिरोध की खबरें हैं। शिंदे को सीएम बने करीब एक माह होने आया है, लेकिन नए मंत्रियों की नियुक्ति नहीं हो पा रही है। शिवेसना में बगावत के बाद 30 जून को शिंदे को सीएम पद की और भाजपा नेता व पूर्व सीएम देवेंद्र फडणवीस को डिप्टी सीएम पद की शपथ दिलाई गई थी। उसके बाद शिंदे ने विधानसभा का विश्वास मत अर्जित कर लिया था। इसके बाद से मंत्रिमंडल के विस्तार का मामला अटका हुआ है। बुधवार को मुख्यमंत्री शिंदे संभावित मंत्रियों की सूची को अंतिम रूप देने के लिए दिल्ली जाने वाले थे, लेकिन अंतिम समय में दौरा टल गया। दिल्ली में वे भाजपा के शीर्ष नेताओं से मुलाकात करने वाले थे।

इन सड़कों पर आंखों की जरूरत क्या है

दीपक रंजन दास

वाहन खरीदने के बाद उसकी ठीक ढंग से पूजा करवा लेना पर्याप्त है। पंडित जी इंजन से लेकर बोनट तक पर सिन्दूर से ओम या स्वस्तिक का निशान बना देते हैं। इसके बाद एक नारियल फोड़ते हैं और फिर टायरों के नीचे नींबू कुचल देते हैं। मानें या न मानें, इसके बाद गाड़ी बेहद सुरक्षित हो जाती है और फलती भी है। शायद यही वजह है कि भारतीय दुपहिया चालक हेलमेट तभी लगाते हैं जब पुलिस डंडा मारती है। चार पहिया चालक कभी सीट बेल्ट नहीं लगाते। जिन गाड़ियों में सीटबेल्ट पीं-पीं करता है उसे सीट के पीछे से घुमाकर साकेट में अटका देते हैं। यह पीं-पीं का परमानेंट इलाज है। इससे भी ज्यादा मजेदार उनकी व्यस्तता है। विद्यार्थियों से लेकर बड़े लोगों के हाथ-कान में मोबाइल फोन इस कदर चिपका है कि सड़क पर भी जुदा नहीं होना चाहता। सच्चा प्यार जो ठहरा। जब से बिना गियर की गाड़ियों का चलन बढ़ा है लोग दुपहिया एक हाथ से चलाने लगे हैं। दूसरा हाथ कान पर मोबाइल को चिपकाए रखता है। भीड़ कितनी भी हो, फोन वाला हाथ हैंडल पर नहीं आता। ऐसा कर पाने वाला विशेष रूप से दक्ष माना जाता है। ऐसे में खबर आती है कि छत्तीसगढ़ की राजधानी रायपुर के एक तिहाई वाहन चालकों को ठीक से दिखाई नहीं देता। उनकी आंखों में तकलीफहै और उन्हें इलाज की जरूरत है। इनमें मोतियाबंद, रिफ्रैक्टिव एरर और रक्तांध, सभी शामिल हैं। इसके बावजूद ये सब सालों से गाड़ियां चला रहे हैं। लिहाजा कहा जा सकता है कि भरतीय सड़कों पर वाहन चलाने के लिए आंखों का होना कतई जरूरी नहीं है। शायद इसलिए सड़क चल रहे लोगों को कभी न कभी ये सुनना पड़ ही जाता है- 'अंधा है क्या?'। अब आते हैं इसके दूसरे पहलू पर। प्रदेश की सड़कों पर प्रतिदिन औसतन 38 सड़क हादसे होते हैं। इन हादसों में 16 लोग जान गंवा देते हैं। इनमें से 29.76 हादसे नेशनल हाइवे पर और 17.9 प्रतिशत स्टेट हाइवे पर होते हैं। बाकी हादसे गली मोहल्लों में होते हैं। शासन ने पिछले साल 3,508 वाहन चालकों की आंखों की जांच करवाई थी। इनमें से 1245 चालकों की आंखों में दिक्कतें मिलीं। सरकार ने आंकड़े जुटाकर शायद यह संदेश देने की कोशिश की कि सड़कों पर सावधान- अंधे गाड़ी चला रहे हैं। सरकार को कहने की जरूरत नहीं है। लोगों को पहले से ही पता है कि सड़कों पर अंधों की अच्छी खासी संख्या है। सामने से आ रहे लोगों को भी भोंपू बचाकर सावधान करना पड़ता है। सरकार वह करे जो उससे अपेक्षित है। आरटीओ ऑफिस की भर्राशाही को खत्म करे। आज भी दलाल टाइप के लोग ड्राइविंग लाइसेंस से लेकर गाड़ियों का फिटनेस तक झटपट करवा देते हैं।

संपादकीय

कानून पर मुहर

इन दिनों सबसे ज्यादा चर्चा में कोई संगठन है, तो वह प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) है। हालांकि, यह चर्चा ज्यादातर उन राजनीतिक लोगों से संबंधित मामलों को लेकर है, जिनकी निदेशालय जांच कर रहा है। निदेशालय मुख्य रूप से धन शोधन निवारण कानून के तहत मनी लांडरिंग के मामलों की जांच करता है, यानी मोटे तौर पर उस काले धन की जांच करता है, जिसका इस्तेमाल तमाम गलत धंधों के अलावा तस्करी या आतंकवाद तक में होता है। इस कानून और इसे लेकर निदेशालय को मिले अधिकारों को सुप्रीम कोर्ट में चुनौती दी गई थी। याचिका में कहा गया था कि एक तो यह कानून मूल अधिकारों का उल्लंघन करता है, इसलिए असांविधानिक है। दूसरे, निदेशालय कोई पुलिस बल नहीं है, लेकिन उसके पास छापा मारने, कुर्की और गिरफ्तार करने जैसे वे अधिकार दिए गए हैं, जो पुलिस के पास होते हैं। कुछ अधिकार तो पुलिस से भी ज्यादा हैं। मसलन, पुलिस के सामने दिए गए इकबालिया बयान को अदालत में पेश नहीं किया जा सकता, जबकि निदेशालय के समक्ष दिए गए बयान को पेश किया जा सकता है। याचिका में निदेशालय के इन्हीं अधिकारों पर आपत्ति उठाई गई थी।

> धन शोधन कानून से जुड़ा एक अन्य तथ्य यह भी है कि पिछले आठ वर्षों में निदेशालय ने इसे लेकर काफी सक्रियता दिखाई है और इसे लेकर पड़ने वाले छापों की संख्या 26 गुना बढ़ी है। लेकिन कटु सच्चाई यही है कि ऐसे मामलों में सजा की दर अब भी बहुत कम है। राज्यसभा में दी गई एक जानकारी के अनुसार, पिछले आठ साल में धन शोधन के लिए 3,010 छापे मारे गए, जबकि सजा सिर्फ 23 लोगों को मिल सकी। इसे और अधिक प्रभावी बनाने की जरूरत है। लेकिन सभी दलों को यह कोशिश करनी होगी कि इसे लेकर राजनीतिक विवाद न खड़े हों।

वैसे, यह कोई पहला मामला नहीं है, जब 2002 में बने इस कानून को अदालत में चुनौती दी गई हो। 2017 में तो सुप्रीम कोर्ट ने इस कानून पर रोक ही लगा दी थी। अगले ही साल संसद में पेश किए गए वित्त विधेयक के जरिये इसमें संशोधन कर इसे फिर लागू कर दिया गया। इस बार वित्त विधेयक के जरिये इसे संशोधित करने का मुद्दा भी याचिका में उठाया गया था। बुधवार को सुप्रीम कोर्ट की तीन सदस्यीय पीठ ने धन शोधन कानून और निदेशालय के अधिकारों पर की गई सारी आपत्तियों को खारिज कर दिया, यानी इस कानून के तहत छापा मारने, लोगों को गिरफ्तार करने वगैरह के निदेशालय के अधिकार बरकरार रहेंगे। अदालत ने इस बात को भी सही ठहराया कि ऐसे मामलों में खुद को निर्दोष साबित करने का दायित्व आरोपी का ही होगा। सुप्रीम कोर्ट की पीठ ने अपने फैसले में आतंकवाद से लेकर तमाम समाज विरोधी कामों में धन शोधन की भूमिका का भी जिक्र किया। उसने आरोपी द्वारा गलत सूचना देने पर जुर्माने और सजा के प्रावधान को भी सही ठहराया। पीठ ने यह भी कहा है कि सिर्फ धन शोधन को अंजाम देना ही अपराध नहीं है, बल्कि धन शोधन की पूरी प्रक्रिया में किसी स्तर पर लिप्त होना भी अपराध है। वित्त विधेयक द्वारा इस कानून में संशोधन के मामले को पीठ ने बड़ी पीठ के लिए छोड़ दिया है। वित्त विधेयक के जरिये कानून बनाने का एक मामला आधार से भी जुड़ा है। यह मामला भी बड़ी पीठ के लिए छोड़ा गया था, हालांकि अभी तक इसके लिए बड़ी पीठ के गठन की घोषणा नहीं हुई है। धन शोधन कानून से जुड़ा एक अन्य तथ्य यह भी है कि पिछले आठ वर्षों में निदेशालय ने इसे लेकर काफी सक्रियता दिखाई है और इसे लेकर पड़ने वाले छापों की संख्या 26 गुना बढ़ी है। लेकिन कटु सच्चाई यही है कि ऐसे मामलों में सजा की दर अब भी बहुत कम है। राज्यसभा में दी गई एक जानकारी के अनुसार, पिछले आठ साल में धन शोधन के लिए 3,010 छापे मारे गए, जबकि सजा सिर्फ 23 लोगों को मिल सकी। इसे और अधिक प्रभावी बनाने की जरूरत है। लेकिन सभी दलों को यह कोशिश करनी होगी कि इसे लेकर राजनीतिक विवाद न खड़े हों।

फिर आ गए रनिल विक्रमसिंघ

श्रीलंका के राष्ट्रपति-चुनाव में रनिल विक्रमसिंघ की विजय पर उनके दोनों प्रतिद्वंदी तो चुप हैं लेकिन उनके विरुद्ध राजधानी कोलंबो में प्रदर्शन होने शुरु हो गए हैं। आम तौर पर गणित यह था कि राजपक्ष-परिवार की सत्तारुढ़ पार्टी के नाराज़ सदस्य रनिल के विरुद्ध वोट देंगे और संसद किसी अन्य नेता को राष्ट्रपति के पद पर आसीन कर देगी लेकिन रनिल को स्पष्ट बहुमत मिल गया है।

इसका अर्थ यही है कि एक तो सत्तारुढ़ दल में दरार जरुर पड़ी है लेकिन वह इतनी चौड़ी नहीं हुई कि पार्टी-उम्मीदवार उसमें डूब जाए और दूसरा यह कि प्रधानमंत्री रहते हुए रनिल विक्रमसिंघ ने पिछले कुछ हफ्तों में ही भारत और अनेक अंतरराष्ट्रीय संगठनों को इतना प्रेरित कर दिया था कि श्रीलंका को अरबों रु. की मदद आने लगी थी। वैसे भी रनिल छह बार श्रीलंका के प्रधानमंत्री रह चुके हैं। इतने अनुभवी नेता अब राष्ट्रपति बनने पर शायद श्रीलंका को वर्तमान संकट से उबार ले जाएं।

इसी विश्वास ने उन्हें जिताया है लेकिन उनका आगे का रास्ता बहुत ही कंटकाकीर्ण है। एक तो श्रीलंका की सारी बागी जनता मानकर चल रही है कि वे राजपक्ष परिवार के भक्त हैं। वे उनके कहे मुताबिक ही काम करेंगे। इसीलिए अब जनता का गुस्सा पहले से भी अधिक तीव्र होगा। जो नेता उनसे हारे हैं, वे जनता को भड़काए बिना नहीं रहेंगे हालांकि उन्होंने अपनी हार को विनम्रतापूर्वक स्वीकार कर लिया है। यह तो बिल्कुल स्पष्ट है कि यदि राष्ट्रपति के चुनाव में श्रीलंका की जनता मतदाता होती तो रनिल विक्रमसिंघ की जमानत जब्त हो जाती।

अब देखना यही है कि विक्रमसिंघ श्रीलंका की वर्तमान समस्याओं का हल कैसे निकालते हैं और जनता के क्रोध को कैसे शांत करते हैं। पता नहीं कि वे अब प्रधानमंत्री किसे बनाएंगे? यदि इस वक्त वे किसी विपक्षी नेता, जैसे सजित प्रेमदास को प्रधानमंत्री बना दें तो शायद उन्हें राजनीतिक तूफानों का सामना कम ही करना पड़ेगा। सजित ने राष्ट्रपति के चुनाव से अपना नाम भी वापिस ले लिया था।

यदि ऐसा हो सके तो श्रीलंका में एक सर्वदलीय और सर्वसमावेशी मंत्रिमंडल बन सकता है, जो कि आम विरोध को भी शांत कर सकेगा और वर्तमान संकट का समाधान भी खोज सकता है। जहां तक भारत का सवाल है, राष्ट्रपति के इस चुनाव में भारत की भूमिका सर्वथा निष्पक्ष रही है। उसने अब तक लगभग चार बिलियन डॉलर की मदद श्रीलंका को दे दी है और वह अभी भी अपने इस निकट पड़ौसी राष्ट्र को संकट से उबारने के लिए कृतसंकल्प है।

वेद प्रताप वैदिक

> **अब आप समझ चुके होंगे कि हरेली त्यौहार छत्तीसगढ़ राज्य के लिए कितना महत्वपूर्ण है।वर्षा ऋतु के दौरान प्रकृति स्वयं को साफकरती है,चारों ओर साफसुथरी हरियाली दिखाई देती है,प्रकृति का नया संस्करण प्रस्तुत होता है....हर्षोल्लास और लोक-परम्परा के साथ प्रकृति की इस धुली हुई हरियाली का स्वागत करना ही हरेली है।**

प्रकृति की धुली हुई हरियाली का स्वागत करना ही है हरेली

श्रीमती दिव्या वैष्णव (रा.प्र.से.), विशेष कर्तव्यस्थ अधिकारी, कार्यालय मंत्री गृह, जेल, लोक निर्माण, पर्यटन, धर्मस्व एवं धार्मिक न्यास

श्रावण माह की अमावस्या एक ऐसा दिन जो विशेष भी है और महत्वपूर्ण भी। इस दिन से छत्तीसगढ़ महतारी के आंगन में त्यौहारों का आगमन शुरू हो गया है।

अगर आपका बचपन छत्तीसगढ़ की मिट्टी में गुजरा है तो आज के दिन का महत्व आपने जरूर देखा और समझा होगा लेकिन अगर आप आज के इस विशेष दिन के बारे में नहीं जानते हैं तो आज आपका परिचय छत्तीसगढ़ के पहले त्यौहार 'हरेली तिहार' से होगा।हरेली एक कृषि त्यौहार है और हरियाली शब्द से जुड़ा है।गौर कीजिए,आज आपने जगह जगह घर के दरवाजे पर नीम के पत्तों की डालियां खोंचते (लगाते) हुए बच्चों के झुंड को जरूर देखा होगा।जरा देखिए, आज कैसे हमारे सियान(बुजुर्ग) भी बच्चों और युवा साथियों के साथ बांस की गेड़ी चढ़कर बचपने का आनंद ले रहे हैं।आज घरों में चढ़ी तेलई से गुलगुला भजिये की खुशबू भी आ रही,तो कहीं गुरहा चीला के लिए तवा भी सिझाया जा रहा है।पतरी में अंगाकर रोटी,बरा-पूरी भी सजाई जा रही है।जरा गांव की ओर तो चलिए....हल, नागर, फावड़ा, कुल्हाड़ी,गेंती और भी कृषि उपकरण आज देव तुल्य विराजमान है और हमारे किसान-मितान अपने सभी कृषि औजारों की पूजा कर रहे हैं,सब मिलकर छत्तीसगढ़ राज्य की कृषि संस्कृति के पल्लवन और अच्छी पैदावार के लिए प्रार्थना कर रहे हैं।दईहान में पशुधन की विशेष पूजा कर उन्हें आटे की लोंदियां खिलाई जा रही है।

हमारे लोहार साथी घरों के दरवाजे पर पाती(लोहे की नुकीली कील)ठोंक रहे हैं ताकि अनिष्ट शक्तियों से घर की रक्षा की जा सके।

घरों की दीवार पर गोबर से बनी ये जो आकृति और पाती आपको दिख रही है, माना जाता है कि ये आकृतियां श्रावण अमावस्या को सिद्ध होने वाली अनिष्ट और नकारात्मक शक्तियों के दुष्प्रभाव से सबकी रक्षा करती हैं।

स्थानीय परंपराएँ एवं लोकाचार उस स्थान विशेष की भौगोलिक और सामाजिक परिवेश पर आधारित होती है,पीढ़ी-दर-पीढ़ी संस्कृति के पालन के साथ साथ इन परम्पराओं के पीछे वैज्ञानिक कारण भी अवश्य होता है।

हरेली त्यौहार मनाए जाने के तरीके को अगर गौर से अवलोकन किया जाए तो कुछ बातें व्यवहारिक रूप से हमें समझ आएंगी।जैसे-

मौसम परिवर्तन(ग्रीष्म से वर्षा) के दौरान घर के प्रवेश द्वार पर कड़वे नीम की पत्तियां एवं गोबर की आकृतियां वातावरण को कीटाणुरहित बनाती है।कड़वे नीम के फायदेमंद गुणों के बारे में तो हर कोई जानता है।

बड़ी फसल लेने के पूर्व आवश्यक उपकरणों, पशुधन आदि की पूजा करना कृषि संस्कृति का द्योतक है।

बांस की बनी गेड़ी चढ़ना जीवन मे संतुलन बनाने की सीख को प्रदर्शित करता है।बच्चे बार बार प्रयास करते हैं, गिरते हैं,सम्हलते हैं,फिर गेड़ी चढ़ते हैं और इस खेल का आनंद लेते हैं।जीवन का भी यही सार है-संतुलित रहते हुए जीवन रूपी गेड़ी का आनंद लेना।

गुड़ स्वास्थ्यवर्धक है,छत्तीसगढ़ के पारंपरिक व्यंजनों में शक्कर की तुलना में गुड़ के प्रयोग का प्रचलन अधिक है।त्यौहारों में घर के भंडार(रसोई) में तेल चढ़ना अनिवार्य होता है ,गेहूं आटे और गुड़ को मिलाकर गुलगुला भजिया बनाया जाता है।गेंहूँ के साथ गुड़ मिलाकर बनाया गया गुरहा चीला हरेली त्यौहार का विशेष व्यंजन है।

हरेली त्यौहार के विशेष महत्व को समझते हुए वर्तमान छ.ग. सरकार द्वारा इस दिन सार्वजनिक अवकाश घोषित किया गया है ,ताकि हम सभी छत्तीसगढ़वासी पूरे हर्षोल्लास के साथ हरेली त्यौहार मना सकें।कृषि संस्कृति एवं गोधन के संरक्षण,संवर्द्धन एवं परिवर्द्धन को सर्वोच्च प्राथमिकता में लेते हुए छ.ग. सरकार विभिन्न महत्वपूर्ण योजनाओं का क्रियान्वयन कर रही है।वर्तमान समय में छत्तीसगढ़ के पारंपरिक तीज-त्यौहार की प्रासंगिकता और जागरूकता को बढ़ाने के लिए छ. ग. सरकार द्वारा विभिन्न स्तर पर सार्थक एवं सराहनीय प्रयास किये जा रहे हैं।पिछले कुछ वर्षों से हरेली से सम्बंधित विभिन्न गतिविधियों का आयोजन किया जा रहा,ताकि आज की पीढ़ी भी हरेली त्यौहार के महत्व को समझ सके,लोक-परंपराओं को जीवित रख सके। आज आपने गौर किया...अखबारों,सोशल मीडिया के पोस्ट,चौक चौराहों में आयोजनों ,न्यूज़ चैनल प्रसारण आदि के माध्यम से हरेली त्यौहार की जानकारियां एवं विभिन्न गतिविधियां आप तक जरूर पहुंच रही होंगी। अब आप समझ चुके होंगे कि हरेली त्यौहार छत्तीसगढ़ राज्य के लिए कितना महत्वपूर्ण है।वर्षा ऋतु के दौरान प्रकृति स्वयं को साफकरती है,चारों ओर साफ सुथरी हरियाली दिखाई देती है,प्रकृति का नया संस्करण प्रस्तुत होता है....हर्षोल्लास और लोक-परम्परा के साथ प्रकृति की इस धुली हुई हरियाली का स्वागत करना ही हरेली है। आप सभी को छत्तीसगढ़ के पहिली तिहार-हरेली तिहार की गाड़ा गाड़ा बधई।

अमीर बनने से पहले ही वृद्ध होने लगा हमारा देश

वेंकटेश श्रीनिवासन, पूर्व सदस्य, यूएनएफपीए

पिछले कुछ दशकों से भारत प्रजनन व मृत्यु-दर को कम करने में काफी अच्छा प्रदर्शन कर रहा है। लेकिन हम एक ऐसी स्थिति की ओर भी बढ़ रहे हैं, जिसमें 60 साल से अधिक उम्र वालों की आबादी तेजी से बढ़ रही है। ऐसा पूरे देश में हो रहा है। जनसंख्या रुझान और सरकारी व दूसरी अन्य एजेंसियों के पूर्वानुमान बता रहे हैं कि यह बदलाव भारत की मुख्य चिंताओं में शामिल होना चाहिए और विभिन्न कारणों से इस पर तुरंत राजनीतिक व नीतिगत विचार किया जाना चाहिए।

पहला कारण। साल 2011 की जनगणना के मुताबिक, हमारी जनसंख्या में बुजुर्गों का अनुपात यद्यपि कम (8.6 प्रतिशत) था, लेकिन उनकी कुल संख्या बहुत बड़ी (10.4 करोड़) थी। अनुमान है कि अगले डेढ़ दशक में, यानी 2036 तक भारत में वृद्ध लोगों की संख्या 22.5 करोड़ और 2061 तक 42.5 करोड़ हो जाएगी। यह पिछले 50 साल में उनकी आबादी में चार गुनी बढ़ोतरी है। यहां यह भी ध्यान देने की आवश्यकता है कि अलग-अलग राज्यों में इस वृद्धि का स्तर भिन्न है। उत्तरी व मध्यवर्ती राज्यों में कम और दक्षिणी सूबों में यह अधिक है। साल 2011 की जनगणना के अनुसार, बुजुर्गों का अनुपात बिहार में 7.4 प्रतिशत था, जबकि केरल में 12.6 फीसदी। लेकिन अनुमान के मुताबिक, 2041 में बिहार में जहां वृद्धों का अनुपात इसकी कुल आबादी का 11.6 प्रतिशत हो जाएगा, तो वहीं केरल में यह 23.9 फीसदी पर पहुंच जाएगा। जाहिर है, यह स्थिति सभी राज्यों में बुजुर्गों के लिए योजना बनाने के वास्ते अलग नजरिया अपनाने का महत्व बता रही है।

दूसरी वजह है, भारत में बुढ़ापा का बहुत तेज गति से बढ़ना। गौर कीजिए, फ्रांस और स्वीडन की कुल आबादी में बुजुर्गों की हिस्सेदारी के दोगुना होने, यानी उनके सात से 14 प्रतिशत होने में जहां क्रमशः 110 और 80 साल लगे, भारत में सिर्फ 20 साल लगने का अनुमान है। एजेंसियों का आकलन है कि साल 2061 तक भारत का हर चौथा व्यक्ति 60 साल से अधिक उम्र का होगा। ऐसे में, हमें खुद से यह सवाल पूछने की आवश्यकता है कि इस तेज गति से वृद्ध होती आबादी की सेवा के लिए क्या एक देश, परिवार और व्यक्ति के तौर पर हम तैयार हैं?

तीसरी वजह। भारत अमीर बनने से पहले ही बूढ़ा हो रहा है। यूनाइटेड नेशंस पॉपुलेशन फंड का साल 2012 का एक अध्ययन बताता है कि बुजुर्ग लोगों में गरीबी-दर अधिक है। इनमें से 52 प्रतिशत पूरी तरह, तो 18 फीसदी आंशिक रूप से अपने जीवन-यापन के लिए दूसरों पर निर्भर हैं। भारतीय बुजुर्गों की एक बड़ी संख्या अपनी कमजोर माली स्थिति के कारण काम करने को बाध्य है। इसकी पुष्टि साल 2019-20 के मनरेगा के आंकड़े करते हैं। उस साल 93 लाख ऐसे बुजुर्गों ने काम किया, जो 61 वर्ष या उससे भी अधिक के थे। चौथा कारण। हमारे देश में बुजुर्गों को सेवा सुविधाएं काफी कम हासिल हैं। महज 20 प्रतिशत के करीब लोगों को ही सामाजिक सुरक्षा हासिल है, जबकि स्वास्थ्य बीमा कवच लगभग 25 प्रतिशत के पास है। 85 प्रतिशत पेंशनधारी अपनी पेंशन भोजन, दवा और जीने के लिए जरूरी दूसरी चीजों पर खर्च करते हैं। यह भी एक तथ्य है कि 60 साल से अधिक आयु के करीब एक करोड़ बुजुर्ग हर साल अस्पताल में भर्ती होते हैं। 70 साल से अधिक आयु के लगभग 50 फीसदी वृद्ध एक या उससे अधिक गंभीर बीमारियों की जद में हैं।

साफहै, आने वाले दशकों में हमारी बुजुर्ग आबादी में भारी वृद्धि तय है, मगर उनके लिए सामाजिक सुरक्षा कवच और स्वास्थ्य सेवाओं तक उनकी पहुंच बेहद कम है। वैसे तो उनके लिए कई योजनाएं हैं, मगर वे सांकेतिक हैं, क्योंकि वे कोई सार्थक असर डाल सकें, इस लायक उनके पास वित्तीय संसाधन नहीं। बहरहाल, अगर बूढ़ी होती आबादी के मसले पर अभी से ध्यान नहीं दिया गया, तो हमारे सामने वही स्थिति खड़ी हो सकती है, जो आज नौजवानों के कमजोर कौशल को लेकर खड़ी है। इनके कौशल विकास पर दशकों पहले से ध्यान दिया जाना चाहिए था। इसलिए बुजुर्गों के मामलों में आने वाले दशकों के लिए योजना बनाने का यही समय है। देश इस विशाल वृद्ध आबादी को अपनी सामूहिक चेतना से ओझल नहीं होने दे सकता।

साथ में देविंदर सिंह

श्रीमती अंजली जैन की कलम से...

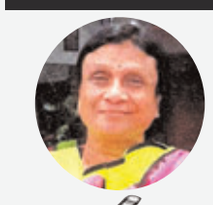

प्रेम बनकर कभी
ज्ञाता दृष्टा बनकर,
कभी मौसम की
खुशबू बनकर,
सबके दिलों में
मुस्कुराऊंगी।

-अंजली जैन
7024460938

पानी कम बरसा तो बढ़ेगा संकट

हिमांशु, एसोशिएट प्रोफेसर, जेएनयू

देश भर में भले ही मानसूनी बारिश सामान्य से ज्यादा हुई है, लेकिन बिहार, झारखंड, उत्तर प्रदेश सहित सात राज्यों के अन्नदाता सूखे की आशंका से घबरा गए हैं। इन सूबों में अब तक इतना पानी नहीं बरसा है कि खेतों में धान की रोपाई के लिए जरूरी जल का जमाव हो सके। 15 जुलाई तक के आंकड़े बताते हैं कि देश भर में 27 लाख हेक्टेयर कम रकबे पर धान की बुआई की गई है। इसका मतलब है कि चावल का उत्पादन कम हो सकता है। और, अगर ऐसा हुआ, तो कम से कम दो तरह की समस्याओं से हमारा सामना होगा। पहली समस्या यह कि देश भर में महंगाई बढ़ सकती है। पिछले सीजन में गेहूं का कम उत्पादन हुआ था। सरकार भी 1.87 करोड़ टन गेहूं खरीद सकी, जबकि पूर्व में चार करोड़ टन के आसपास की खरीद की जाती थी। ऐसे में, यदि चावल की पैदावार भी कम होती है, तो बाजार में इसकी कमी हो जाएगी, जिससे इसकी कीमत बढ़ सकती है। इसका दबाव स्वाभाविक तौर पर गरीब व वंचित तबकों पर सर्वाधिक होगा।

दूसरी तरह की समस्या गरीब कल्याण योजना से जुड़ी है। अभी सरकार ने सितंबर तक इस योजना के तहत जरूरतमंदों को अनाज मुहैया कराने की बात कही है। अगर धान का उत्पादन कम होगा, तो चावल की सरकारी खरीद भी कम होगी। इससे खाद्य सुरक्षा के मूल मकसद को पाना मुश्किल होगा। हालांकि, अभी हम खाद्य संकट से नहीं जूझ रहे, लेकिन सावधानी जरूरी है। सरकारी गोदामों में पर्याप्त अनाज होना चाहिए। ऐसा किया जाना सिर्फ राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा अधिनियम के तहत लोगों को राहत पहुंचाने के लिए जरूरी नहीं है, बल्कि इसलिए भी जरूरी है कि यदि महंगाई बढ़ती है, तो खुले बाजार में अनाज बेचकर सरकार इसके दाम नियंत्रित करे। हर साल सरकार खुले बाजार में अनाज बेचती है, इस बार संभवतः उसे ज्यादा अनाज मुहैया कराना पड़ सकता है।

साफ है, खाद्य सुरक्षा को लेकर हमें खास सावधानी बरतनी होगी। अभी दुनिया भर में करीब 70 देश खाद्य पदार्थों की महंगाई से मुकाबला कर रहे हैं, और रूस-यूक्रेन जंग ने वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला को इस कदर प्रभावित किया है कि विकासशील देशों में खाद्यान्न संकट गहराने लगा है। हम ऐसे किसी संकट में न फंसे, इसके लिए केंद्र सरकार को विशेष पहल करनी होगी। यहां यह तर्क बेमानी है कि चावल का निर्यात रोककर सरकार जरूरी अनाज का भंडारण कर सकती है। वास्तव में, हम बासमती चावल का ही निर्यात करते हैं, जिसका खाद्य सुरक्षा में बहुत ज्यादा महत्व नहीं है। हमें मुख्य अनाज का भंडारण करना होगा। संभव हो, तो प्रधानमंत्री खाद्य सुरक्षा योजना को सितंबर से बढ़ाकर कम से कम मार्च, 2023 तक किया जाना चाहिए, ताकि महंगाई की मार झेल रही जनता को कुछ हद तक राहत मिल सके।

दिक्कत यह है कि मौसम पर हमारा कोई वश नहीं है। उम्मीद यही थी कि इस साल अच्छी-खासी बारिश होगी। मगर ऐसा नहीं हुआ। दुर्भाग्य से इसका असर उन राज्यों में दिख रहा है, जहां चावल का उत्पादन अधिक होता है। इसके बरअक्स, पंजाब, हरियाणा, राजस्थान जैसे राज्यों में अच्छी बारिश हो रही है, जहां खेती-बाड़ी से जुड़ा बुनियादी ढांचा भी काफी बेहतर है। ऐसी स्थिति में हमें उत्तर भारत के किसानों को पर्याप्त सुरक्षा देनी होगी। इसके लिए कुछ उपाय किए जा सकते हैं, जैसे सरकार यहां के किसानों से न्यूनतम समर्थन मूल्य पर अनाजों की खरीद करे। इससे अन्नदाताओं की आय बढ़ेगी। बिहार जैसे राज्यों में अनाजों की बिल्कुल भी सरकारी खरीद नहीं होती, जबकि झारखंड में नाममात्र की खरीदारी की जाती है। उत्तर भारत के ये राज्य कृषि के मामले में तो पीछे हैं ही, यहां गरीबों की संख्या भी तुलनात्मक रूप से ज्यादा है। ऐसे में, किसानों को फसल की वाजिब कीमत देने के साथ-साथ यह भी सुनिश्चित किया जाना चाहिए कि खाने और खरीदने की उनकी क्षमता बरकरार रहे। इसके लिए जन-वितरण तंत्र से मुफ्त अनाज या कम कीमत पर खाद्यान्न मुहैया कराए जाने जैसे उपाय जारी रखने चाहिए। जरूरत पड़ने पर अन्य उपाय भी किए जाने चाहिए, ताकि महंगाई की मार से यह तबका कम प्रभावित हो। अच्छी बात है कि सरकार के पास ऐसा तंत्र मौजूद है। वह चाहे, तो खाद्य सुरक्षा कानून, मध्याह्न भोजन योजना जैसे उपायों से किसानों को तत्काल मदद पहुंचा सकती है। इन उपायों की जरूरत इसलिए भी है, क्योंकि कोरोना महामारी के कारण लोग आर्थिक रूप से टूट चुके हैं।

कुछ प्रयास हमें दीर्घावधि को ध्यान में रखकर करना होगा। यह ध्यान रखना होगा कि कृषि के क्षेत्र में देश में काफी विविधता है और राज्यों के बीच दूरियां भी काफी अधिक हैं। पंजाब की तुलना यदि बिहार से करें, तो बिहार की जमीन ज्यादा उपजाऊ है और यहां पानी की कमी भी नहीं है, लेकिन बाढ़ की मार और बुनियादी ढांचे के अभाव के कारण यहां प्रति किसान उत्पादकता काफी कम है। यहां किसानों की आमदनी भी पंजाब की तुलना में काफी कम है।

स्टेशन रोड, इंदिरा मार्केट, दुर्ग के प्रतिष्ठित संस्थान विज्ञापन के लिए संपर्क करे
9827806026, 7869620239

महक सेनीटेशन

सी पी फिटिंग व सेनेटरी की भव्य रेंज किफायती दरों में
एक बार सेवा का मौका अवश्य दें
अनिल गुप्ता मो. 9300280144
शाप नं. 102, 103, किशोर प्लाजा, ग्रीन चौक दुर्ग (छ.ग.)
अनिल गुप्ता, मो. 9300280144

Sargam Musicals
Deals in All Kinds of Musical Instrument Sales & Repair
DURG:- Near Tarun Adlabs Station Road, Durg (C.G.) Durg, Ph. 2330588, 9826660688
RAIPUR:- Near Manju Mamta Reaustaurant, M.G. Road Raipur. Ph. 4013288, 9303876196

गंजेपन से मुक्ति मात्र 1 घंटे में
COMPLETE FAMILY SALON
हेयर रिप्लेसमेंट, 100% संतुष्टि की गारंटी
पहले बाद में
JITU'Z CUT N SHINE 93009-11331
रंगोली बैंगल्स के सामने, जयसवाल इलेक्ट्रानिक के बाजू में इंदिरा मार्केट, स्टेशन रोड, दुर्ग (छ.ग.)

लक्ष्मी ज्वेलर्स
कुशल
9770584111
8959994444
स्टेशन रोड, कर्नाटका बैंक के सामने, दुर्ग (छ.ग.)

श्रीकंचनपथ

छत्तीसगढ़

इनकम TAX
ITR फाईल
बनवायें मात्र 500/- में
TDS, GST, TAX Expert
सम्पर्क- शेखर गुप्ता
9300755544
onlytds@gmail.com
WWW.ONLYTDS.COM

छत्तीसगढ़ की आत्मा में समाहित हरेली त्यौहार की ताजगी आज और बढ़ गई है। इसका श्रेय प्रदेश के माननीय मुख्यमंत्री भूपेश बघेल की सरकार को जाता है। हरेली हमारे छत्तीसगढ़ राज्य का एक क्षेत्रीय त्यौहार होने के साथ-साथ छत्तीसगढ़ की पहचान भी है। हरेली त्यौहार प्रकृति के प्रति प्रेम और समर्पण का भाव पैदा करती है। छत्तीसगढ़ सरकार ने अपने जमीन से जुड़े इस त्यौहार को लेकर जिस तरह ' गोधन न्याय योजना ' और ' नरवा, गरवा, घुरवा, बाड़ी ' जैसी योजनाओं का शुभारंभ किया है वह अभूतपूर्व है। आज ही के दिन 2 साल पहले ' गोधन न्याय योजना ' की शुरुआत की गई जो गांवों के विकास में आज सबसे ज्यादा कारगर साबित हो रही है। हरेली छत्तीसगढ़ के किसानों की पहली त्यौहार है जिसमें प्रदेश के सभी किसान भाई अपने खेती के उपयोग में लाई जाने वाली हल, कुल्हाड़ी, हंसिया, गैती और फावड़ा जैसे अन्य उपकरणों की पूजा करते हैं। हरेली त्यौहार के दिन ही छत्तीसगढ़ के हर गांव और हर घर में सबका पसंदीदा पकवान चिला बनाया जाता है जिसका एक खास महत्व भी है। चावल आटे से बना चिला और नारियल का भोग लगाकर किसान उसे अपने खेतों में भी चढ़ाते हैं, ताकि उनके नए वर्ष का फसल लहलहाता हुआ सबके जीवन को एक नई ऊष्मा और आभा से भर दे। हरेली त्यौहार जैसे शुभ पर्व के दिन गांव के बच्चे गेड़ी में चढ़कर अपने प्रकृति देवता के प्रति धन्यवाद करते हुए इसका आंनद लेते हैं।

हरेली से विकास की
नई इबारत गढ़ता छत्तीसगढ़

श्रीकंचनपथ न्यूज

हरेली का आशय हरियाली से है और यही कारण है कि आज भी छत्तीसगढ़वासी अपने इस संस्कृति के प्रति बेहद लगाव रखते हैं और इसे बचाए रखना जैसे उनके लिए अपनी आत्मा को बचाए रखना है। हरेली के इस सबसे सुंदर पर्व को लेकर 5हजार महिला स्व सहायता जैसे विशाल समूह से महिलाओं को जोड़ने वाली हमारे प्रदेश की गौरव पद्मश्री श्रीमती शमशाद बेगम से हमने यह जानने की कोशिश की कि वे ' छत्तीसगढ़ सरकार द्वारा तीज-त्यौहार को बचाए जाने की दिशा में किए जा रहे नवीन प्रयास को किस तरह से देखती है ? ' हरेली के संबंध में श्रीमती शमशाद बेगम ने कहा किहरेली के संबंध में श्रीमती शमशाद बेगम ने कहा कि ' हरेली त्यौहार छत्तीसगढ़ के किसानों का पहला एवं बहुत महत्वपूर्ण त्यौहार है। यूं ही नहीं छत्तीसगढ़ को धान का कटोरा कहा जाता है, यहां सच में धान और किसान हमारी शान है। राज्य में जब से श्री भूपेश बघेल जी मुख्यमंत्री बने हैं तब से लेकर आज तक उन्होंने किसानों पर बहुत अधिक ध्यान दिया है। आज गांव - गांव में गौठानों के माध्यम से ग्रामीण क्षेत्रों में विकास की धारा बह रही है। ' गोधन न्याय योजना ' से हमारे समूह की महिलाएं आर्थिक रूप से समृद्ध हुई है। यह योजना ग्रामीण विकास के लिए बहुत ही लाभकारी योजना है। हमारे समूह की महिलाएं गौठानों को ऊर्जा पार्क के रूप में विकसित कर आज वहां जैविक खेती कर रही है।

' नरवा, गरवा, घूरवा, बाड़ी ' छत्तीसगढ़ के चार चिन्हारी के रूप में छत्तीसगढ़ राज्य आज दूसरे राज्यों के लिए एक उदाहरण है। माननीय मुख्यमंत्री जी के इन योजनाओं के कारण ही आज ग्रामीण विकास की अवधारणा सफल होती दिखाई दे रही है। वर्तमान राज्य सरकार ने जिस तरह से तीज-त्यौहारों को प्रमुखता दी है उसके लिए उनका जितना भी धन्यवाद किया जाए कम है। आज बच्चे बड़े मन से इस त्यौहार का इंतजार करते हैं क्योंकि मुख्यमंत्री जी ने इस त्यौहार के लिए अलग से सरकारी छुट्टी की घोषणा कर बच्चों के मन में भी

हरियाली पैदा कर दी है।

मैं हृदय से ग्रामीण विकास के नई इबारत लिख रहे हमारे प्रदेश के मुखिया श्री भूपेश बघेल जी का व्यक्तिगत रूप से और अपनी महिला स्व सहायता की ओर से धन्यवाद देना चाहती हूं। मुख्यमंत्री जी ने जिस तरह से अपने जड़ों को जमीन से जोड़ने के लिए सार्थक और सराहनीय योजनाओं का क्रियान्वयन किया है वह हमारे प्रदेश की नई पहचान है। ' हरेली के महत्व और छत्तीसगढ़ सरकार के प्रयास को थोड़ा और विस्तारपूर्वक जानने के लिए हमने छत्तीसगढ़ के प्रसिद्ध साहित्यकार और संस्कृतिकर्मी श्री रमेश अनुपम जी से भी बातचीत की। श्री रमेश अनुपम जी कहते हैं' हरेली छत्तीसगढ़ का कोई साधारण तीज- त्यौहार नहीं है अपितु छत्तीसगढ़ के लोक की आत्मा में रचा-बसा एक असाधारण और मांगलिक पर्व है। यह दुर्भाग्यजनक है कि छत्तीसगढ़ राज्य के अस्तित्व में आने के पश्चात किसी भी राज्य सरकार ने छत्तीसगढ़ की आत्मा में रचे-बसे तीज, त्यौहार, लोक परंपराओं और लोक संस्कृति की ओर उस तरह से ध्यान नहीं दिया है, जिस तरह से वर्तमान में राज्य के यशस्वी मुख्यमंत्री श्री भूपेश बघेल दे रहे हैं। राज्य में पहली बार किसी सरकार और मुख्यमंत्री ने छत्तीसगढ़ की मूल आत्मा को पहचानने की कोशिश की और उसे पुन: प्रतिष्ठित करने के भागीरथी प्रयास में संलग्न भी दिखाई दे रहे हैं। हरेली छत्तीसगढ़ के लोक जीवन की अपूर्व झांकी है जो प्रकृति के प्रति उत्कट प्रेम का परिचायक है।

विगत तीन वर्षों से जिस तरह प्रदेश के मुखिया श्री भूपेश बघेल छत्तीसगढ़ की लोक संस्कृति के संवर्द्धन और सरंक्षण में लगे हुए हैं वह छत्तीसगढ़ की अस्मिता को पुनर्जीवित करने का एक अक्षुण्ण प्रयास मात्र भर नहीं है अपितु वह उस विलुप्त छत्तीसगढ़ की खोज भी है जो गावों में बसता है और गांव ही जिसकी आत्मा है। ' अपने प्रदेश के तीज- त्यौहार और संस्कृति को बचाए रखने के लिए छत्तीसगढ़ राज्य सरकार निरंतर नित नई योजनाओं का शुभारंभ ही नहीं कर रही है वरन् उसके माध्यम से एक नया छत्तीसगढ़ गढ़ने में सफल भी हो रही है।

गृहमंत्री साहू ने प्रदेशवासियों को दी हरेली तिहार की बधाई और शुभकामनाएं

हरेली का पर्व हमारी गौरवशाली छत्तीसगढ़ी संस्कृति और विरासत का हिस्सा है-ताम्रध्वज साहू

प्रदेश के गृहमंत्री ताम्रध्वज साहू ने प्रदेशवासियों को हरेली तिहार के अवसर पर बधाई और शुभकामनाएं दी हैं। आज हरेली की पूर्व संध्या पर जारी अपने शुभकामना संदेश में साहू ने कहा है कि परंपरागत रूप से खेती-किसानी, हरियाली और पर्यायवरण को समर्पित हरेली त्यौहार छत्तीसगढ़ के लोगों के प्रकृति के प्रति प्रेम और समर्पण को दर्शाता है। छत्तीसगढ़ के गांव-गांव में हरेली का पर्व बड़े उत्साह और उमंग से मनाया जाता है। हरेली तिहार पर हम अच्छी फसल की कामना के साथ-साथ कृषि के काम आने वाले सभी तरह के उपकरणों की साफ-सफाई और पूजा करते है। हरेली का पर्व हमारी गौरवशाली छत्तीसगढ़ी संस्कृति और विरासत का हिस्सा है। इस साल हरेली पर्व (28 जुलाई) से मुख्यमंत्री भूपेश बघेल के यशस्वी नेतृत्व में छत्तीसगढ़ सरकार गौमूत्र खरीदी की शुरुआत करने जा रही है। गांव के पशुपालक 4 रुपए प्रति लीटर में गौमूत्र विक्रय कर सकेंगे। योजना के पहले चरण में प्रदेश भर की 56 गौठानों में यह खरीदी शुरू होगी। प्रदेश की गौरवशाली छत्तीसगढ़ी संस्कृति, कृषि संस्कृति और परम्परा को सहेजने हेतु राज्य सरकार दृढ़ संकल्पित है।

कृषि मंत्री रविन्द्र चौबे ने प्रदेशवासियों को हरेली तिहार की बधाई और शुभकामनाएं दी

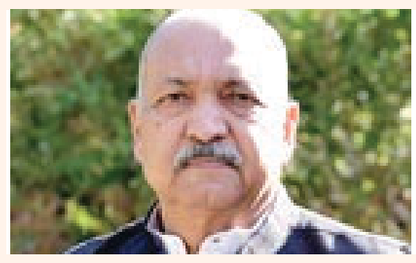

पंचायत एवं ग्रामीण विकास, कृषिएवं जल संसाधन मंत्री रविन्द्र चौबे ने प्रदेशवासियों को हरेली तिहार की बधाई और शुभकामनाएं दी है। उन्होंने कहा है कि छत्तीसगढ़ एक कृषि प्रधान राज्य है। यह राज्य का प्रथम त्यौहार है, इससे ही त्योहारों की शुरुआत होती है। हरियाली अमावस्या को मनाया जाने वाला हरेली त्यौहार का छत्तीसगढ़ के जनजीवन में व्यापक प्रभाव है। इस दिन किसान नांगर (हल) एवं कृषि औजार की पूजा करते है, जो हमारे कृषि प्रधान संस्कृति का अभिन्न हिस्सा है। वहीं दूसरी ओर देखा जाए तो हरेली पर्व का महत्व धरती को हरा-भरा बनाये रखने के लिए पेड़-पौधे की महत्ता को भी प्रदर्शित करता है। इस अवसर पर कृषि मंत्री ने नागरिकों एवं किसानों की खुशहाली की कामना की है। मंत्री श्री चौबे ने कहा राज्य सरकार द्वारा दो वर्ष पूर्व 20 जुलाई 2020 को हरेली के दिन से छत्तीसगढ़ में गोधन न्याय योजना की शुरुआत की गई और इसके तहत 2 रुपये किलो में गोबर खरीदी की जा रही है। इससे ग्रामीण कृषि अर्थव्यवस्था और अधिक मजबूत हो रही है। इस योजना से गौ- पालकों को अतिरिक्त लाभ एवं महिला स्व-सहायता समूहों को रोजगार सुलभ हुआ है।

त्यौहारों का द्वार हरेली त्यौहार

छत्तीसगढ़ में कहा जाता है त्योहारों का द्वार हरेली तिहार। हरेली तिहार छत्तीसगढ़ का सबसे पहला त्यौहार है, जो लोगों को छत्तीसगढ़ की संस्कृति और आस्था से परिचित कराता है। हरेली त्यौहार एक कृषि त्यौहार है। हरेली का मतलब हरियाली होता है, जो हर वर्ष सावन महीने के अमावस्या में मनाया जाता है। हरेली मुख्यत: खेती-किसानी से जुड़ा पर्व है। छत्तीसगढ़ राज्य में ग्रामीण किसानों द्वारा बड़े हर्षोल्लास के साथ मनाया जाता है। इस त्यौहार के पहले तक किसान अपनी फसलों की बोआई या रोपाई कर लेते हैं और इस दिन कृषि संबंधी सभी यंत्रों जैसे - हल, गैंती, कुदाली, फावड़ा समेत कृषि के काम आने वाले सभी तरह के औजारों की साफ-सफाई कर उन्हें एक स्थान पर रखकर उसकी पूजा-अर्चना करते हैं। घर में महिलाएं तरह-तरह के छत्तीसगढ़ी व्यंजन खासकर गुड़ का चीला बनाती हैं। हरेली में जहाँ किसान कृषि उपकरणों की पूजा कर पकवानों का आनंद लेते हैं, आपस में नारियल फेंक प्रतियोगिता करते हैं, वहीं युवा और बच्चे गेड़ी चढ़ने का आनंद लेते हैं। इस लोकप्रिय त्यौहार का नाम हरेली, हिंदी के शब्द हरियाली से आया है श्रावण माह में भारत में मॉनसून रहता है जिसके कारण बारिश होने से चारों तरफ हरियाली होती है इस समय किसान अपनी अच्छी फसल की कामना करते हुए कुल देवता एवं ग्राम देवता की पूजा करते हैं। हरेली त्यौहार के दौरान लोग अपने-अपने खेतों में भेलवा के पेड़ की डाली लगाते हैं इसी के साथ घरों के प्रवेश द्वार पर नीम के पेड़ की शाखाएं भी लगाई जाती हैं। नीम में औषधीय गुण होते हैं जो बीमारियों के साथ-साथ कीड़ों से भी बचाते हैं। लोहार जाति के लोग इस दिन घरों को अनिष्ट शक्तियों से बचाने के लिए घर के हर दरवाजे पर पाती ठोंकते हैं, जो लोहे का एक नोकीला कील होता है। हरेली तिहार के बाद अनेक त्यौहारों का सिलसिला शुरू हो जाता हैं। बस्तर क्षेत्र में हरियाली अमावस्या पर अमूस त्यौहार मनाया जाता है। बस्तर क्षेत्र के ग्रामीणों द्वारा अपने खेतों में औषधीय जड़ी-बूटियों के साथ तेंदू पेड़ की पतली छड़ी गाड़कर अमुस त्यौहार मनाया जाता है। इस छड़ी के ऊपरी सिरे पर शतावर, रसना जड़ी, केऊ कंद को भेलवां के पत्तों में बांध दिया जाता है। खेतों में इस छड़ी को गाड़ने के पीछे ग्रामीणों की मान्यता यह है कि इससे कीट और अन्य व्याधियों के प्रकोप से फसल की रक्षा होती है। जंगल से खोदकर लाई गई जड़ी बूटियों में रसना, केऊ कंद, शतावर की पत्तियां और अन्य वनस्पतियां शामिल रहती है, पत्तों में लपेटकर मवेशियों को खिलाया जाता है। इसी दिन रोग बोहरानी की रस्म भी होती है, जिसमें ग्रामीण इस्तेमाल के बाद टूटे-फूटे बांस के सूप-टोकरी-झाड़ू व अन्य चीजों को ग्राम के बाहर पेड़ पर लटका देते हैं। दक्षिण बस्तर में यह त्यौहार सभी गांवों में सिर्फ हरियाली अमावस्या को ही नहीं, बल्कि इसके बाद गांवों में अगले एक पखवाड़े के भीतर दिन निर्धारित कर मनाया जाता है। छत्तीसगढ़ की संस्कृति के संरक्षण और संवर्धन के लिए शासन द्वारा बीते साढ़े तीन वर्षों के दौरान उठाए गए महत्वपूर्ण कदमों के क्रम में स्थानीय तीज-त्यौहारों पर भी अब सार्वजनिक अवकाश दिए जाते हैं। इनमें हरेली तिहार भी शामिल है।

ॐ साई राम
माँ पुस्तक भंडार
स्टेशनरी सामान मिलने का एक मात्र स्थान
पुरानी एवं नई पुस्तकें खरीदी व बेची जाती है
रावणभाटा, सुपेला, भिलाई (छ.ग.)
मो. 7489051024, 7770845578

Since 1972
CROWN® - TV
Choice Of Millions
LED Available 16 -20 -22 - 24 - 32-40-50-55-65

CONTACT
Premier sales 8959493000
Arhum Electronics 9926100315
A Leela Electronics 9425507772
Reena Electronics 9329132299
Shree Electronics 7000827361
Maa Durga Electronics 9827183839
Rohit Electronics 94242-02866
Authorised Distributers For Chhattisgarh
Trade Enquiry: 98262-52372

खास खबर

छत्तीसगढ़ में अब तक 545 मिमी औसत वर्षा दर्ज

रायपुर। राज्य शासन के राजस्व एवं आपदा प्रबंधन विभाग द्वारा बनाए गए राज्य स्तरीय नियंत्रण कक्ष द्वारा संकलित जानकारी के मुताबिक एक जून 2022 से अब तक राज्य में 545.0 मिमी औसत वर्षा दर्ज की जा चुकी है। राज्य के विभिन्न जिलों में 01 जून से 27 जुलाई तक रिकार्ड की गई वर्षा के अनुसार बीजापुर जिले में सर्वाधिक 1419.2 मिमी और बलरामपुर जिले में सबसे कम 190.1 मिमी औसत वर्षा दर्ज की गयी है।

राज्य स्तरीय बाढ़ नियंत्रण कक्ष से प्राप्त जानकारी के अनुसार एक जून से अब तक सरगुजा में 214.6 मिमी, सूरजपुर में 285.8 मिमी, जशपुर में 268.7 मिमी, कोरिया में 312.0 मिमी, रायपुर में 368.4 मिमी, बलौदाबाजार में 533.2 मिमी, गरियाबंद में 632.3 मिमी, महासमुंद में 549.6 मिमी, धमतरी में 645.7 मिमी, बिलासपुर में 598.5 मिमी, मुंगेली में 613.4 मिमी, रायगढ़ में 506.0 मिमी, जांजगीर-चांपा में 647.8 मिमी, कोरबा में 430.5 मिमी, गौरेला-पेण्ड्रा-मरवाही में 527.9 मिमी, दुर्ग में 506.8 मिमी, कबीरधाम में 514.4 मिमी, राजनांदगांव में 576.2 मिमी, बालोद में 672.1 मिमी, बेमेतरा में 375.3 मिमी, बस्तर में 696.9 मिमी, कोण्डागांव में 625.7 मिमी, कांकेर में 722.1 मिमी, नारायणपुर में 553.1 मिमी, दंतेवाड़ा में 732.2 मिमी और सुकमा में 540.5 मिमी औसत वर्षा रिकार्ड की गई।

हरेली तिहार को जन-जन के बीच लोकप्रिय बनाने, प्रोफाइल फोटो फ्रेम जारी

रायपुर। किसानों की लोक-परम्परा के साथ छत्तीसगढ़ की संस्कृति से जुड़ा 'हरेली तिहार' इस बार आगामी 28 जुलाई को है। राज्य शासन द्वारा इस बार भी हरेली तिहार को राज्य स्तर पर व्यापक स्वरूप में मनाने का निर्णय लिया गया है। 'हरेली' छत्तीसगढ़ का प्रमुख पर्व है जोकि आधुनिकता के साथ लुप्तप्राय हो रहा था। पिछले तीन वर्षों से इस त्यौहार को पूरी गरिमा और लोक-परंपरा के अनुसार मनाया जा रहा है। छत्तीसगढ़ी अस्मिता के पुनरुत्थान के नायक मुख्यमंत्री भूपेश बघेल के नेतृत्व में छत्तीसगढ़ की संस्कृति से प्रेम करने वाले हर छत्तीसगढ़ी नागरिक के प्रयासों का परिणाम है कि अब युवा पीढ़ी भी इस त्यौहार का महत्व समझ रही है और इस पर गर्व महसूस कर रही है। हरेली को युवाओं के मध्य और लोकप्रिय बनाने और इससे जुड़ी मान्यताओं से जन-मानस को रूबरू करवाने के उद्देश्य से लोगों से हरेली से जुड़ी तस्वीरें, वीडियो #MorHareli हैशटैग के साथ शेयर करने की अपील की गयी है। इस सम्बंध में #MorHareli प्रोफाइल फोटो फ्रेम भी जारी किया गया है, जारी की गयी लिंक twb.nz/morhareli पर जाकर आप खुद की #MorHareli प्रोफाइल फोटो तैयार कर विभिन्न सोशल मीडिया प्लैटफॉर्म पर #MorHareli हैशटैग के साथ साझा कर सकते हैं।

कच्ची सड़क बनेगी पक्की, 450 मामलों का निराकरण

रायपुर (ए)। मोर महापौर-मोर द्वार शिविर के 26वें दिन मंगलवार को रविन्द्रनाथ टैगोर वार्ड व शहीद पंकज विक्रम वार्ड में कुल 450 मामलों का निराकरण किया गया। वार्ड-58 के बाल बजरंग गणेशोत्सव समिति मंदिर के सामने सौंदर्यीकरण के लिए महापौर निधि से एक लाख, पार्षद निधि से एक लाख व सभापति निधि से 50 हजार रुपये देने की घोषणा की गई। रहवासियों की मांग पर वार्ड-55 कृष्णा चौक लालपुर की कच्ची गली में रोड निर्माण के लिए महापौर एजाज ढेबर ने महापौर निधि से दो लाख देने की घोषणा की। रविन्द्रनाथ टैगोर वार्ड एवं शहीद पंकज विक्रम वार्ड के शिविर में कुल 588 आवेदन आए, जिनमें से 450 का तत्काल निराकरण किया गया। यहां आयुष्मान कार्ड के 85, नया श्रमिक कार्ड के लिए 30, नया राशन कार्ड के लिए 31 आवेदन पहुंचे। मुख्यमंत्री स्लम स्वास्थ्य योजना के मोबाइल मेडिकल यूनिट के तहत वार्ड-55 के शिविर में 51 नागरिकों का चिकित्सकों ने नि:शुल्क स्वास्थ्य परीक्षण करते हुए उन्हें चिकित्सकीय परामर्श एवं आवश्यक दवाएं दी। मोर महापौर-मोर द्वार अभियान के तहत 27 जून से 25 जुलाई तक 25 दिनों में 50 वार्डों में लगाए गए शिविर में कुल 22453 आवेदन प्राप्त हुए है, जिसमें से 19379 का निराकरण किया गया है।

पुरूष नसबंदी पखवाड़ा में उत्कृष्ट कार्यों के लिए छत्तीसगढ़ को मिला 3 पुरस्कार

पखवाड़ा के दौरान पुरुष नसबंदी में छत्तीसगढ़ पिछले 3 वर्षों से देश में प्रथम स्थान पर

सर्वाधिक नसबंदी के लिए डॉ. संजय नवल को तथा नसबंदी के लिए कई दंपत्तियों को प्रेरित करने वाली मितानिन केवरा वर्मा को भी मिला पुरस्कार

केंद्रीय स्वास्थ्य राज्यमंत्री ने आज नई दिल्ली में दिए पुरस्कार

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। छत्तीसगढ़ को पुरूष नसबंदी पखवाड़ा में उत्कृष्ट कार्यों के लिए केन्द्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय ने तीन पुरस्कारों से नवाजा है। पुरुष नसबंदी पखवाड़ा के दौरान पिछले तीन वर्षों 2019 से 2021 के बीच नसबंदी में छत्तीसगढ़ देश में प्रथम स्थान पर है। केंद्रीय स्वास्थ्य राज्यमंत्री डॉ. भारती प्रवीण पवार ने नई दिल्ली में आयोजित कार्यक्रम में प्रदेश को इस उपलब्धि के लिए पुरस्कृत किया। परिवार नियोजन कार्यक्रम के उप संचालक डॉ. टीके टोंडर एवं कंसल्टेंट डॉ. रोशन गुप्ता ने छत्तीसगढ़ की ओर से यह पुरस्कार ग्रहण किया।

पुरुष नसबंदी के लिए प्रदेश को दो और श्रेणियों में पुरस्कार प्राप्त हुआ है। सर्वाधिक पुरुष नसबंदी के लिए डॉ. संजय नवल को राष्ट्रीय स्तर पर द्वितीय पुरस्कार मिला है। पुरुष नसबंदी के लिए दम्पत्ति मोटिवेशन (प्रेरक) की श्रेणी में रायपुर जिले के तिल्दा की मितानिन श्रीमती केवरा वर्मा को पुरस्कृत किया गया है। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल और स्वास्थ्य मंत्री टीएस सिंहदेव ने प्रदेश की इस उपलब्धि पर स्वास्थ्य विभाग एवं राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन की टीम को बधाई दी है।

परिवार नियोजन कार्यक्रम के उप संचालक डॉ. टीके टोंडर ने बताया की पुरूष नसबंदी पखवाड़ा के दौरान पिछले तीन वर्षो में प्रदेश में 3212 पुरुषों की नसबंदी की गई है। पुरूष नसबंदी पखवाड़ा के दौरान वर्ष 2019-20 में 1695, वर्ष 2020-21 में 168 और वर्ष 2021-22 में 1349 पुरूषों ने नसबंदी कराई है। उन्होंने बताया कि नसबंदी पखवाड़ा के दौरान ग्राम स्तर से लेकर जिला स्तर तक विशेष अभियान चलाकर लोगों में पुरूष नसबंदी के प्रति फैली भ्रांतियों व मिथकों को दूर किया जाता है। ग्राम स्तर पर मोर मितान मोर संगवारी चौपाल का आयोजन कर पुरूषों को नसबंदी के लिए प्रेरित किया जाता है।

महंगाई भत्ते को लेकर कर्मचारियों की हड़ताल चौथे दिन भी जारी, आज धरना स्थल पर मनाएंगे हरेली

रायपुर (ए)। छत्तीसगढ़ कर्मचारी अधिकारी फेडरेशन के निर्णय के अनुसार गुरुवार को शिक्षक- कर्मचारी धरना स्थल पर हरेली त्योहार मनाएंगे और विधिवत पूजा-अर्चना करेंगे तथा गेड़ी चढ़कर प्रदर्शन करेंगे। बता दें कि केंद्र के समान 34 प्रतिशत महंगाई भत्ता और गृह भाड़ा भत्ता देय तिथि से देने की मांग को लेकर कर्मचारी संघों की हड़ताल बुधवार को तीसरे दिन भी जारी रही। एक ओर जहां शासकीय कार्यालयों में सन्नाटा पसरा रहा, वहीं प्रदेश के शिक्षक-कर्मचारियों ने सामूहिक अवकाश लेकर अपने-अपने विकास खंड व जिला मुख्यालय में प्रदर्शन किया। यह हड़ताल छत्तीसगढ़ कर्मचारी-अधिकारी फेडरेशन के आह्वान पर की जा रही है।

स्कूल और कार्यालय में लटके ताले

छत्तीसगढ़ शिक्षक संघ के प्रांतीय महामंत्री यशवंत सिंह वर्मा ने बताया कि प्रदेश के कर्मचारियों को 12 प्रतिशत महंगाई भत्ता तथा सात प्रतिशत गृह भाड़ा भत्ता कम मिल रहा है, जिसके कारण प्रत्येक कर्मचारी को पांच हजार से लेकर 18 हजार रुपये प्रति माह हानि हो रही है। इससे प्रदेश के शिक्षक-कर्मचारियों में आक्रोश व्याप्त है। आज रायपुर के बूढ़ा तालाब धरना स्थल से आंदोलित कर्मचारियों ने कहा कि यदि शासन-प्रशासन द्वारा समय रहते मांगें पूरी नहीं की गई तो भविष्य में अनिश्चित कालीन काम बंद आंदोलन किया जाएगा।

कर्मचारियों में सरकार के रुख पर है भारी आक्रोश

डीए व एचआरए की मांग को लेकर अनिश्चितकालीन हड़ताल कर रहे छत्तीसगढ़ टीचर्स एसोसिएशन के प्रदेश अध्यक्ष संजय शर्मा ने बताया कि सरकार का रवैया कर्मचारियों के महंगाई भत्ता व गृह भाड़ा भत्ता को लेकर ठीक नहीं है। उन्होंने कहा कि 4.50 लाख शिक्षक व कर्मचारी, अधिकारी अपने लंबित महंगाई भत्ता के लिए हड़ताल पर है परन्तु कर्मचारियो की सुध न लेकर सरकार विधायकों के वेतन-भत्ते बढ़ा दिए हैं, इससे कर्मचारियों में भारी आक्रोश है। उन्होंने बताया कि बुधवार को प्रदेश के जिले में रैली निकालकर कलेक्टर को मुख्यमंत्री के नाम मांगपत्र सौंपा गया।

सन्नाटा पसरा रहा तहसील व कलेक्ट्रेट में

बुधवार को भी तहसील और कलेक्ट्रेट कार्यालय में सन्नाटा पसरा रहा। बताया जा रहा है कि तहसील में बुधवार को होने वाली सुनवाई को फिर से आठ दिन आगे बढ़ा दिया गया है।

रायपुर मेडिकल कालेज में एमडी मनोरोग की तीन सीटों को मंजूरी, स्नातकोत्तर की हुईं 145 सीटें

रायपुर (ए)। पं. जवाहर लाल नेहरू चिकित्सा महाविद्यालय रायपुर में एमडी मनोरोग की तीन सीटों को मंजूरी मिल गई है। इसके साथ ही यह प्रदेश का पहला मेडिकल कालेज बन गया है, जहां पर मनोरोग विभाग में स्नातकोत्तर की सीटें शुरू होंगी।

कालेज में एनएमसी सेल के चेयरमैन डा. अरविंद नेरल ने बताया कि शैक्षणिक सत्र 2022-23 से इस महाविद्यालय में 20 विषयों में कुल 145 स्नातकोत्तर (एमडी व एमएस) सीटें होंगी, जो पूरे प्रदेश में सर्वाधिक हैं। चिकित्सा महाविद्यालय रायपुर इस वर्ष स्नातक एमबीबीएस की प्रवेश संख्या में भी वृद्धि के लिए प्रयासरत है। अधिष्ठाता डॉ. तृप्ति नागरिया ने वर्तमान 150 सीटों को बढ़ाकर 200 करने के लिए प्रशासनिक प्रक्रिया प्रारंभ की है।

इससे शैक्षणिक सत्र 2023-24 में बढ़ी हुई सीटों के लिए एनएमसी की अनुमति मिल सके। आर्थिक कमजोर वर्ग (ईडब्ल्यूएस) के लिए आनुपातिक सीटें मिलने पर कुल 240 एमबीबीएस की प्रवेश संख्या हो जाएगी, जो छत्तीसगढ़ प्रदेश के होनहार विद्यार्थियों के लिए वरदान होगी। इसके अलावा चिकित्सा महाविद्यालय रायपुर में सुपर स्पेशियलिटी (एमसीएच) के तीन पाठ्यक्रम संचालित किए जा रहे हैं।

मेडिकल शिक्षा के अतिरिक्त महाविद्यालय में एमएससी मेडिकल बायोटेक्नोलाजी, बीएएसएलपी, लेबोरेटरी टेक्नोलाजी पाठ्यक्रम भी संचालित किए जा रहे हैं। महाविद्यालय के अनेक विभाग बीडीएस, एमडीएस, बीएससी-एमएससी नर्सिंग, फिजियोथेरेपी के बीपीटी और एमपीटी पाठ्यक्रम और बीएससी-एमएससी नेफ्रोलाजी और डायलिसिस के विद्यार्थियों को भी नियमित शिक्षण-प्रशिक्षण प्रदान करते हैं।

साइकेट्री एमडी की तीन सीटों को शुरू करने के लिए नेशनल मेडिकल काउंसिल अनुमति दे दी है। राज्य में पहला मेडिकल कालेज है, जहां यह पाठ्यक्रम शुरू हो रहा है। इससे राज्य में विशेषज्ञ चिकित्सक मिलेंगे।

कुलपति ने नवनिर्मित कॉलेज कैन्टीन का किया लोकार्पण

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. गिरीश चंदेल ने कृषि महाविद्यालय रायपुर की सर्वसुविधायुक्त कॉलेज कैन्टीन का लोकार्पण किया। इस दो मंजिला कैन्टीन में लगभग 400 लोगों के बैठने की व्यवस्था है। कॉलेज कैन्टीन में विभिन्न प्रकार के नाश्ते, लंच एवं डिनर की व्यवस्था की गई है। कैन्टीन भवन में भू-तल पर विद्यार्थियों के लिए भोजन एवं स्वल्पाहार की व्यवस्था की गई है। वहीं प्रथम तल पर कॉन्फ्रेंस हॉल एवं पार्टी हॉल की व्यवस्था की गई है, जहां शासकीय बैठकों, वर्कशॉप एवं कॉन्फ्रेंस में शामिल होने वाले प्रतिभागियों के लिए भोजन एवं स्वलपाहार की व्यवस्था की जा सकती है। इस कैन्टीन में उत्तर भारतीय, दक्षिण भारतीय, चायनीज आदि विविध व्यंजनों के साथ ही रेडीमेड स्नैक्स, कोलड्रिंक आदि भी उपलब्ध रहेंगे। कॉलेज कैन्टीन शुरू होने से कृषि महाविद्यालय रायपुर तथा विश्वविद्यालय परिसर में स्थित अन्य महाविद्यालयों के विद्यार्थियों तथा कार्यालयीन कर्मचारियों की बहुप्रतीक्षित मांग पूरी हो गई है।

विश्व स्तनपान सप्ताह एक अगस्त से

जनजागरूकता के लिए होंगे विभिन्न कार्यक्रम

बच्चों में स्तनपान की समय पर शुरुआत कराने 'ये मौका छूटे न' अभियान होगा शुरू

रायपुर। हर साल की तरह इस साल भी अगस्त माह का पहला सप्ताह 'विश्व स्तनपान सप्ताह' के रूप में मनाया जाएगा। इस दौरान प्रदेश में प्रसूता एवं शिशुवती महिलाओं के बीच स्तनपान को बढ़ावा देने, शिशुओं एवं नन्हें बच्चों को बीमारी और कुपोषण से बचाने और शिशु मृत्यु दर में कमी लाने का प्रयास किया जाएगा। इसके लिए स्वास्थ्य और महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा संयुक्त रूप से एक से 7 अगस्त तक जन जागरूकता के कई कार्यक्रम आयोजित किये जाएंगे। इस दौरान आंगनबाड़ी केन्द्रों में स्वस्थ्य शिशु का चयन उनकी माताओं को पुरस्कृत भी किया जाएगा। विश्व स्तनपान सप्ताह 2022 की थीम- ' स्तनपान शिक्षा और सहायता के लिए कदम बढ़ाएं' है। प्रदेश में वर्ष 2015-16 के मुकाबले वर्ष 2020-21 में ''स्तनपान की प्रारंभिक शुरुआत'' दर में गिरावट आई है, जिसे बढ़ाने हेतु टैगलाईन 'ये मौका छूटे ना' अंतर्गत अभियान चलाया जायेगा। वर्ष विश्व स्तनपान सप्ताह का उद्देश्य प्रसूता एवं शिशुवती महिलाओं के बीच स्तनपान के लिए जागरूकता बढ़ाना है, क्योंकि यह बच्चों के साथ साथ माताओं के स्वास्थ्य के लिए भी जरूरी है।

बच्चे के अच्छे स्वास्थ्य हेतु स्तनपान की जिम्मेदारी माता के साथ साथ परिवार एवं मुख्य रूप से पिता की भी होती है। पिता द्वारा बच्चे की माता की देखभाल करना, माता को बच्चे के साथ अधिक समय व्यतीत करने व उचित तरीके से स्तनपान कराने हेतु प्रोत्साहित करना आदि तरीके से महत्वपूर्ण भूमिका निभाया जाता है।

सप्ताह के दौरान स्तनपान का महत्व लोगों तक पहुंचाने के लिए जिला, विकासखण्ड एवं ग्राम स्तर पर कार्यशाला, प्रदर्शनी, फिल्म शो, परिचर्चा जैसे विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। जिसमें महिला एवं बाल विकास और स्वास्थ्य विभाग के मैदानी अमले के साथ जनप्रतिनिधि सहित महिला समूह और अधिक से अधिक महिलाओं को शामिल किया जाएगा। आंगनबाड़ी और ग्राम स्तर पर नारे लेखन, वॉल रायटिंग, पोस्टर-बैनर के माध्यम से स्तनपान से संबंधित महत्वपूर्ण संदेशों का प्रचार-प्रसार किया जाएगा और जनजागरूकता के लिए छोटे समूहों में प्रश्नोत्तरी का अयोजन होगा। इस दौरान एक वर्ष से छोटे शिशुओं के पोषण स्तर का आंकलन किया जाएगा और टीके लगाए जाएंगे। गृहभेंट कर माताओं को स्तनपान, शिशुओं के उचित पोषण, समुचित देखभाल और स्वास्थ्य संबंधित जानकारी भी दी जाएगी।

जुलाई का आखिरी शुक्रवार होगा मनोरंजन से भरपूर, रिलीज होंगी ये बड़ी फिल्में और सीरीज

मनोरंजन जगत के लिहाज से यह शुक्रवार कई महत्वपूर्ण होने वाला है क्योंकि सिनेमाघरों के अलावा ओटीटी प्लेटफॉर्म्स भी कई शानदार फिल्में और वेब सीरीज रिलीज होने जा रही हैं। इस बार अलग-अलग शैली की कई फिल्में लोगों का मनोरंजन करने के लिए तैयार हैं। ऐसे में आज हम आपके लिए इन फिल्मों की पूरी लिस्ट ले आए हैं जिसे आप अपनी पसंद के मुताबिक देख सकते हैं।

एक विलेन रिटर्न्स

एक विलेन के सीक्वल का इंतजार दर्शकों लंबे समय से है। जॉन अब्राहम, दिशा पाटनी, अर्जुन कपूर और तारा सुतारिया स्टारर यह फिल्म एक सस्पेंस थ्रिलर है। फिल्म का निर्देशन मोहित सूरी ने किया है। इससे पहले वह कई सुपरहिट थ्रिलर फिल्में बना चुके हैं। 29 जुलाई को यह फिल्म सिनेमाघरों में धमाल मचाने के लिए पूरी तरह से तैयार है।

गुड लक जेरी

इस शुक्रवार जान्हवी कपूर की फिल्म गुड लक जेरी लोगों का मनोरंजन दिखेगी। यह साल 2018 में आई तमिल फिल्म कोलामावु कोकिला का रीमेक है। कॉमेडी, क्राइम और ड्रामा से भरपूर यह फिल्म एक ऐसी लड़की की कहानी है जो ड्रग तस्करी के धंधे में आ जाती है। फिल्म को ओटीटी प्लेटफॉर्म पर रिलीज किया जाएगा। 29 जुलाई से इसे किसी भी समय डिज्नी प्लस हॉटस्टार पर स्ट्रीम किया जा सकेगा।

777 चार्ली

सिनेमाघरों में लोगों की वाहवाही लूटने के बाद फिल्म '777 चार्ली' ओटीटी पर धमाल मचाने के लिए तैयार है। इंसान और जानवर के रिश्ते की खूबसूरत कहानी को बयां करती यह फिल्म अगर आपने अब तक नहीं देखी तो इसे अब आप घर बैठे देख सकते हैं। ये फिल्म 29 जुलाई को वूट पर रिलीज की जाएगी।

रंगबाज

फिल्मों के अलावा इस वीकेंड आप वेब सीरीज का भी लुत्फ उठा सकते हैं। इस बार राजनीति पर आधारित वेब सीरीज रंगबाज का तीसरा सीजन रिलीज हो रहा है। इस वेब सीरीज को 29 जुलाई से जी5 पर स्ट्रीम किया जा सकता है। बता दें कि इसके पहले सीजन को लोगों ने काफी पसंद किया था।

पुलिस वाले का किरदार निभाने के लिए मशहूर थे जगदीश राज

अभिनय की दुनिया में कलाकार कई तरह के किरदार निभाते हैं, हालांकि आखिर में सब दर्शकों पर निर्भर करता है, लेकिन कुछ किरदार ऐसे भी होते हैं, जिनमें अभिनेता या अभिनेत्री दर्शकों के दिलों दिमाग में एक अलग छाप छोड़े देते हैं। ऐसे ही मंझे हुए कलाकार थे अभिनेता जगदीज राज थे। जो पुलिसवाले का किरदार निभाने के लिए मशहूर थे और इसी वजह से उन्होंने इतिहास भी रच दिया था। सिनेमा के इस दिग्गज ने 25 जुलाई को इस दुनिया से अलविदा कह दिया था।

सिनेमा की दुनिया में कब कौन सा किरदार या डयलॉग हिट हो जाए यह खुद कलाकार को भी नहीं पता होता है। अभिनेता जगदीश राज का सफर भी कुछ ऐसा ही रहा। उन्होंने कई फिल्मों में एक के बाद एक अलग पुलिसवाले का किरदार अदा किया था और उन्होंने यह नहीं सोचा था कि वह एक रिकॉर्ड बना देंगे। उन्होंने फिल्मों पूरे 144 बार पुलिस इंस्पेक्टर का किरदार अदा किया था और इसके लिए उनका नाम गिनीज बुक ऑफ वर्ल्ड में भी दर्ज किया गया था।

1928 में जन्में जगदीश राज का जन्म ब्रिटिश भारत के सरगुजा में हुआ था जो अब पाकिस्तान का हिस्सा है। कहते हैं कि कई बड़ी फिल्मों में पुलिस निरीक्षक का किरदार निभाने वाले जगदीश राज ने बाद में पुलिस की वर्दी ही सिलवा ली थी। वे भूमिका के लिए निर्माता निर्देशक का फोन आते ही सीधे कॉस्ट्यूम में सेट पर पहुंच जाया करते थे।

बताया जाता है कि जब हॉलीवुड के एक कास्टिंग डायरेक्टर को जगदीश राज के बारे में पता चला तो वे जानने के लिए काफी उत्सुक हुए। फिर गिनीज बुक की टीम को जांच के लिए बुलाया गया और इस तरह से फिल्मों में पुलिस निरीक्षक का किरदार निभाकर जगदीश राज का नाम गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड्स में नाम दर्ज हो गया।

'कोलावरी डी' से रातों-रात मशहूर हुए थे धनुष, 'कुंदन' के किरदार को कर दिया अमर

'हम खून बहाएं तुम आंसू बहाओ...आशिकी न हो गई लाठीचार्ज हो गया', 'ये जो लड़की मुर्दा सी आंखे लिए बैठी है बगल में आज भी हां बोल दे तो महादेव की कसम वापस आ जाएं'....अब तक तो आप समझ की गए होंगे कि हम किसकी बात कर रहे हैं। जी हां हम बात कर रहे हैं 'रांझणा' वाले कुंदन यानि धनुष की। धनुष ने साउथ फिल्मों में जितनी शोहरत कमाई है, उतना ही इनका नाम बॉलीवुड में भी है। महज कुछ हिंदी फिल्मों और लगातार सुपरहिट्स देने की वजह से आज वह पैन इंडिया स्टार हो गए हैं। लेकिन रांझणा के कुंदन ने भले ही इस फिल्म से दर्शकों के दिलों में गहरी छाप छोड़ी हो लेकिन हिंदी में तो वह इससे पहले ही मशहूर हो गए थे। धनुष का महज एक गाना साउथ से लेकर हिंदी तक लोगों की जुबान पर छाया गया था और वो गाना था 'व्हाई दिस कोलावरी डी'। तो चलिए 28 जुलाई 1983 को जन्मे धनुष के जन्मदिन पर जानते हैं उनकी जिंदगी के कुछ अनसुने किस्से।

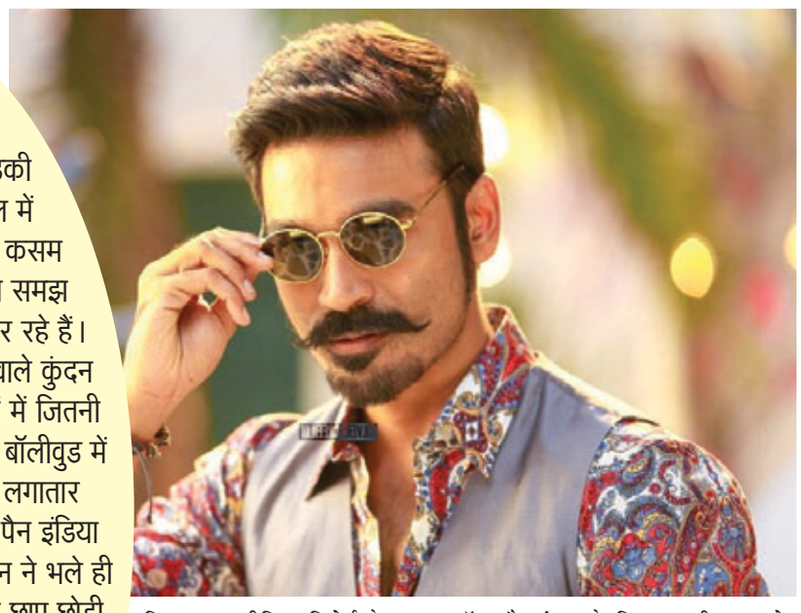

एक्टर धनुष को 'व्हाई दिस कोलावेरी डी' गाने से रातों रात पॉपुलरिटी मिली थी। साल 2011 में रिलीज हुए इस गाने को धनुष ने अपनी आवाज में गाया था। उस वक्त यह गाना भारत में सबसे ज्यादा सर्च किया गया था। मशहूर गायक और अभिनेता धनुष ने केवल छह मिनट में इस लोकप्रिय गाना लिखा था। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक गाने की पहली रिकॉर्डिंग 35 मिनट में तैयार भी हो गई थी। इस गाने के 2 साल बाद धनुष ने बॉलीवुड में एंट्री की।

धनुष के असली नाम के बारे में कम ही लोगों को पता है। उनका पूरा नाम वेंकटेश प्रभु कस्तूरी राजा है। साल 2002 में धनुष ने तमिल फिल्म 'थुल्लोवदो इलीमाई' से डेब्यू किया। फिल्म में धनुष के एक्टिंग की काफी तारीफ हुई, लेकिन हिंदी पट्टी में तब उनको कोई नहीं जानता था। कोलावरी डी के बाद साल 2013 में आनंद एल राय ने फिल्म रांझणा में उन्हें कास्ट किया। रांझणा में कुंदन और जोया की प्रेम कहानी दिखाई है। जिसमें लड़का हिंदू और लड़की मुस्लिम होती है। फिल्म के अंत में कुंदन जोया के प्यार में नस काटकर जान दे देता है। इस फिल्म के डायलॉग और कुंदन के किरदार की वजह से रांझणा को दर्शकों ने बहुत पसंद किया था।

धनुष की दूसरी हिंदी फिल्म अमिताभ बच्चन के साथ 'शमिताभ' थी। फिल्म में धनुष का किरदार बोल नहीं सकता था ऐसे में अमिताभ बच्चन उनकी आवाज बनते हैं। फिल्म में धनुष की एक्टिंग की काफी तारीफ हुई थी हालांकि बॉक्स ऑफिस पर यह कुछ खास कमाल नहीं कर पाई थी। धनुष ने साउथ के सुपरस्टार रजनीकांत की बेटी ऐश्वर्या से साल 2004 में शादी की थी। शादी के बाद दोनों को दो बेटे 'यथरा' और 'लिंगा' हुए। शादी के करीब 18 साल बाद धनुष और ऐश्वर्या ने तलाक भी ले लिया है। दोनों ने आपसी सहमति से इस रिश्ते को खत्म किया और सोशल मीडिया पर इसकी घोषणा की थी। धनुष इस समय अपनी हॉलीवुड फिल्म द ग्रे मैन को लेकर चर्चा में हैं। इस फिल्म के जरिए वह हॉलीवुड में डेब्यू कर रहे हैं।

इस साल अली फजल से शादी करेंगी ऋचाःबोलीं-

हमें इस साल शादी करनी है, जो लोग हमसे बाद में मिले हैं, उनकी भी शादी हो गई है

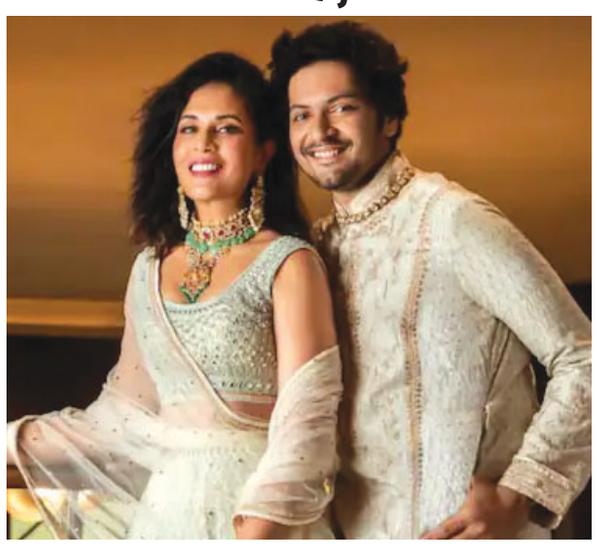

बॉलीवुड एक्ट्रेस ऋचा चड्ढा ने हाल ही में अली फजल के साथ अपनी शादी पर बात की है। एक इंटरव्यू में एक्ट्रेस ने बताया कि जो लोग उनसे बाद में मिले उन तक की शादी हो गई है, लेकिन एक्ट्रेस की शादी डिले होती जा रही है। साथ ही उन्होंने कहा कि वो इस साल यानी की 2022 में अपने लॉन्ग टाइम बॉयफ्रेंड से शादी कर लेंगी।

कोविड की वजह से हुई शादी डिले

ऋचा ने मैशेबल इंडिया को दिए इंटरव्यू में कहा, जब भी हम शादी करने का सोचते हैं, तभी कोविड का एक नया वेरिएंट आ जाता है। 2020 में हमने शादी के लिए जगह भी बुक कर दी थी, लेकिन कोविड की फर्स्ट वेव आ गई और लॉक डाउन लग गया। पिछले साल फिर से फरवरी में हमने प्लान किया था, लेकिन भारत में दूसरी वेव का एक्सपीरियंस तो बेहद ही खराब था।

ऋचा और अली इस साल करेंगे शादी

ऋचा ने कोर्ट मैरिज के सजेशन पर रिएक्ट करते हुए कहा, हां कुछ ऐसा ही लग रहा है। जो लोग हमसे बाद में मिले थे, उनकी शादी भी हो गई। बाद में देखते हैं किसकी कितनी टिकती है। ऐसा क्या है, फिनिश लाइन पर मिलेंगे। हमें इस साल शादी करनी है और हम उसके लिए कुछ न कुछ करके वक्त निकाल लेंगे।

हमें अपनी शादी का बेसब्री से इंतजार है- अली फजल

अली फजल ने पिछले साल दिसंबर में हिंदुस्तान टाइम्स को दिए इंटरव्यू में कहा था, हम शादी करने के लिए मरे जा रहे हैं। यह कब से पेंडिंग है। पहले लॉकडाउन की वजह से डिले हो गई और इस साल सेकेंड वेव की वजह से। जब लॉकडाउन हटा तो हम दोनों को अपने प्रोजेक्ट्स की शूटिंग पूरी करनी थी, इसलिए वक्त नहीं मिल पाया। मार्च 2022 में हो सकता है हमारी शादी हो जाए, लेकिन मैं अभी इस बारे में कुछ नहीं कह सकता।

'फुकरे' के सेट पर हुई थी कपल की मुलाकात

ऋचा ने बताया कि अली से उनकी मुलाकात 2013 में 'फुकरे' के सेट पर हुई और दोनों अच्छे दोस्त बन गए। उन्होंने खुलासा किया कि उसके कई साल बाद दोनों ने डेटिंग शुरू की थी। फुकरे में ऋचा और अली के अलावा पुलकित सम्राट, वरुण शर्मा, प्रिया आनंद, विशाखा सिंह और पंकज त्रिपाठी भी लीड रोल में थे। इसके बाद दोनों 2017 में साथ में फुकरे रिटर्न्स में भी नजर आए थे।

ऋचा और अली के अपकमिंग प्रोजेक्ट्स

ऋचा और अली दोनों 'फुकरे 3' में भी साथ नजर आएंगे। मृगदीप सिंह लांबा के द्वार निर्देशित फिल्म इस साल 30 दिसंबर को रिलीज होगी। वहीं अली फजल 'मिर्जापुर' के तीसरे सीजन में दिखेंगे। इसमें पंकज त्रिपाठी, रसिका दुग्गल, श्वेता त्रिपाठी शर्मा, कुलभूषण खरबंदा, विजय वर्मा और इशा तलवार भी लीड रोल में होंगी।

सनी देओल को शूटिंग के दौरान हुई थी बैक इंजरी यूएस में चल रहा एक्टर का इलाज

एक्टर-पॉलिटिशियन सनी देओल की तबीयत इन दिनों ठीक नहीं है। जिसके चलते सनी देओल यूएस में रहकर अपना ट्रीटमेंट करवा रहे हैं। सनी देओल के स्पोक्सपर्सन के मुताबिक, एक्टर को कुछ हफ्ते पहले अपने एक अपकमिंग प्रोजेक्ट की शूटिंग के दौरान बैक इंजरी हो गई थी। स्पोक्सपर्सन ने बताया कि एक हफ्ते तक 65 साल के सनी का मुंबई में इलाज चला और फिर आगे के ट्रीटमेंट के लिए वे अमेरिका चले गए। अपनी चोट के कारण पंजाब के गुरदासपुर से लोकसभा सांसद सनी राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू के शपथ समारोह में शामिल नहीं हो पाए थे।

स्पोक्सपर्सन ने कहा, सनी देओल को कुछ हफ्ते पहले अपने अपकमिंग प्रोजेक्ट की शूटिंग के दौरान पीठ में चोट लग गई थी। पहले मुंबई में उनका पीठ का इलाज चल रहा था और फिर वह दो सप्ताह पहले आगे के ट्रीटमेंट के लिए रु गए थे। इस दौरान राष्ट्रपति चुनाव हुए और वे देश में नहीं थे, उनका इलाज अभी खत्म नहीं हुआ है। वे ठीक होने के बाद ही भारत वापस लौटेंगे।

सनी देओल जल्द ही डायरेक्टर आर बाल्की की फिल्म 'चुप' में पूजा भट्ट और दुलकर सलमान के साथ स्क्रीन शेयर करते नजर आएंगे। मृगदीप सिंह लांबा के द्वार निर्देशित फिल्म इस साल 30 दिसंबर को रिलीज होगी। वहीं अली फजल 'मिर्जापुर' के तीसरे सीजन में दिखेंगे। इसमें पंकज त्रिपाठी, रसिका दुग्गल, श्वेता त्रिपाठी शर्मा, कुलभूषण खरबंदा, विजय वर्मा और इशा तलवार भी लीड रोल में होंगी।

'गैंग्स ऑफ वासेपुर' ने रातों-रात बनाया था हुमा को स्टार, एक विज्ञापन ने बदली थी जिंदगी

बॉलीवुड अभिनेत्री हुमा कुरैशी ने अपने अभिनय के बल पर इंडस्ट्री में अपनी एक अलग पहचान बनाई है। 28 जुलाई को दिल्ली में जन्मी हुमा आज अपना 36वां जन्मदिन मना रही हैं। हुमा ने अनुराग कश्यप की फिल्म 'गैंग्स ऑफ वासेपुर' से बॉलीवुड में कदम रखा था और अभी तक कई बेहतरीन फिल्मों में काम कर चुकी हैं। तो चलिए आज अभिनेत्री के जन्मदिन के मौके पर उनसे जुड़ी कुछ बातें आपको बताते हैं।

हुमा कुरैशी ने दिल्ली यूनिवर्सिटी के गार्गी कॉलेज से इतिहास में बैचलर किया है। इसके साथ ही वह थियेटर ग्रुप से भी जुड़ी हुई थीं। हुमा के पिता एक रेस्टोरेंट के मालिक हैं और उनके भाई साकिब सलीम अभिनेता हैं। हुमा ने जब अपनी पढ़ाई पूरी की तो उन्होंने एक्टिंग करने का फैसला किया और 2008 में मुंबई आ गई। मुंबई आने के बाद हुमा ने कई फिल्मों के लिए ऑडिशन दिए, लेकिन सफल नहीं हुईं। अपने दोस्त के कहने पर हुमा ने 'जंक्शन' फिल्म के लिए ऑडिशन दिया और वह सिलेक्ट भी हो गईं, लेकिन यह फिल्म कभी बन ही नहीं पाई।

इसके बाद हुमा कई विज्ञापनों में नजर आईं।

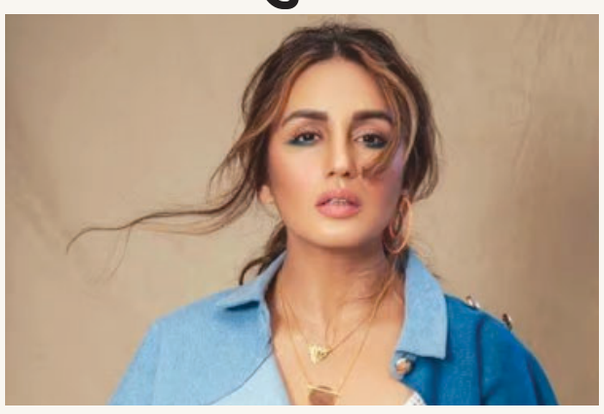

हुमा ने आमिर खान और शाहरुख खान के साथ भी विज्ञापन किए थे। और इसी सबके बीच एक फोन के विज्ञापन ने हुमा की जिंदगी बदल दी और उन्हें अनुराग कश्यप ने स्पॉट कर लिया। इसके बाद अनुराग ने हुमा को फिल्म में लेने का फैसला किया और हुमा को तीन फिल्मों के लिए साइन कर लिया। ऐसे हुमा को अपनी पहली फिल्म 'गैंग्स ऑफ वासेपुर' मिली। इस फिल्म में हुमा ने नवाजुद्दीन सिद्दीकी की गर्लफ्रेंड की भूमिका निभाई थी। फिल्म में उनका किरदार भले ही ज्यादा बड़ा नहीं था, लेकिन अपने अभिनय से उन्होंने दर्शकों के दिलों में अपनी छाप छोड़ दी और रातों-रात स्टार बन गईं।

हुमा कुरैशी अब तक के अपने करियर में एक से बढ़कर एक फिल्मों का हिस्सा रही हैं। हुमा ने 'डी-डे', 'डेढ़ इश्किया', 'जॉली एलएलबी 2', 'काला', 'एक थी डायन' जैसी कई बेहतरीन फिल्मों में काम किया हैं। उनकी वेब सीरीज 'महारानी' भी लोगों को काफी पसंद आई, जिसका दूसरा सीजन भी आने वाला है। वहीं, हुमा की पर्सनल लाइफ की बात करें तो हुमा का नाम अनुराग कश्यप के साथ जोड़ा गया था। कहा जाता था हुमा की वजह से ही अनुराग और कल्कि के रिश्ते में दरार आई। इसके अलावा अर्जन बजवा और डायरेक्टर मुदस्सर अजीज के साथ भी हुमा का नाम जोड़ा गया। हालांकि अभिनेत्री ने कभी भी खुलकर अपने रिश्तों को लेकर बात नहीं की।

दुर्ग, सुपेला और कोहका प्रतिष्ठित संस्थान विज्ञापन के लिए संपर्क करें:-

9303289950, 9827806026, 8962815243

SHRI SAI
COMMERCE COACHING
A Complete Commerce Solution
ONLINE CLASS
XI TH XII TH B.COM
CA/CS/CMA
Registration Open
KHOOBI SIR- Director
Sirsa Road, Kohka, Bhilai, Mo.-98935-82241
www.shri.sai.commercecoaching.com

YOGESH COMPUTER
Sales & Service
All Computer Peripherals & Repairing
Hardware
CCTV Camera
Networking
Software
Yogesh Sirame
Mo-9893342971
7748064280
Azad Chowk, Muktidham Road
Ramnagar, Supela, Bhilai
Email : sirameyogesh@gmail.com

Paul Sir
BANK P.O.
&
CLERK,
MBA,
RLY.,
SSC.
रामा कोचिंग
135,NEW CIVIC CENTER,
Bhilai Ph. 0788-6560005

चौरसिया ज्वेलर्स
आकर्षक सोने चांदी के आभूषणों के निर्माता एवं विक्रेता
बेन्टेक्स एवं ग्रहरत्न उपलब्ध यहां
उचित ब्याज दर पर गिरवी रखी जाती है
मुक्तिधाम रोड, रामनगर, सुपेला, भिलाई
9827938211, 9827171332

खास खबर

सड़कों में गड्ड होने से लोग हो परेशान, मरम्मत की मांग

भिलाई। गत दिवस जिलाधीश महोदय को ज्ञापन दिया जिसका विषय नेशनल हाईवे में निर्माणाधीन ओवर ब्रिज का कार्य चल रहा है आम जनता के आवागमन के लिए जिस सर्विस रोड का उपयोग किया जा रहा है उस सर्विस रोड में बड़े-बड़े गड्ढे बारिश के पानी के कारण बन गए हैं जिससे आम जनमानस को उस मार्ग पर चलने में असुविधा और समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है इन गड्ढों के कारण बहुत सारे एक्सीडेंट हो रहे हैं कुछ ही दिनों पहले एक महिला पत्रकार की दुर्घटना में मौत हो गई थी इस सर्विस रोड में कई बड़े बड़े वाहन आते जाते हैं गड्ढों में भरा पानी की छिटककर लोगों के ऊपर जाता है लोग गड्ढों में गिरकर क्षतिग्रस्त हो रहे हैं, इन गड्ढों के कारण आने वाले समय में बड़ी दुर्घटना होने की संभावनाएं है । जिलाधीश जी से जनदर्शन में या अनुरोध किया गया कि जल्द से जल्द सर्विस रोड के गड्ढों को भरकर तथा उस रास्ते को पक्का बना कर आम जनता को राहत पहुंचाई जाए इसमें मुख्य रूप से प्रवीण सोनी भारतीय जनता पार्टी वैशाली नगर मंडल उपाध्यक्ष पवन सिंह ,अनिकेत वर्मा उपस्थित हुए।

पुलिस ने मानव श्रृंखला के माध्यम से छत्तीसगढ़ राज्य का बनाया मानचित्र

दुर्ग। हरेली पर्व के उपलक्ष्य में पुलिस लाइन दुर्ग में जिला पुलिस अधीक्षक डॉ अभिषेक पल्लव, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक संजय ध्रुव, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक ग्रामीण अनंत साहू एवं अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक मीता पवार के मार्गदर्शन में उप पुलिस अधीक्षक शिल्पा साहू एवं समस्त महिला पुलिस अधिकारी कर्मचारियों के द्वारा हरेली पर्व मनाया गया। इस दौरान समस्त महिला अधिकारी कर्मचारियों के द्वारा हरे रंग की वेशभूषा मे मानव कड़ी द्वारा छत्तीसगढ़ राज्य का मानचित्र बनाया गया एवं छत्तीसगढ़ महतारी की पूजा अर्चना की गई। छत्तीसगढ़ राज्य की कुशलता के लिए प्रार्थना की गई एवं छत्तीसगढ़ के मानचित्र मे दिखाया गया छत्तीसगढ़ राज्य को महतारी का दर्जा दिया जाता है। इस दौरान विभिन्न खेलो का आयोजन किया गया।

नगर सेवाएँ विभाग में राजभाषा कार्यशाला का आयोजन

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। सेल-भिलाई इस्पात संयंत्र के नगर सेवाएँ विभाग में विगत दिनों राजभाषा कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में मुख्य महाप्रबंधक (नगर सेवाएँ एवं सीएसआर) एस व्ही नंदनवार उपस्थित थे।

इस अवसर पर महाप्रबंधक (नगर सेवाएँ) के सी त्रिपाठी, वरिष्ठ प्रबंधक (कार्मिक) सुश्री पद्मिनी कुमार, कनिष्ठ स्टाफ सहायक सुश्री ए सुजाता, प्रधानाध्यापक डॉ दानी प्रसाद शर्मा, वरिष्ठ सहायक अजय कुमार ठाकुर, वरिष्ठ स्टाफ सहायक सुश्री नीना मलिक, अनुभाग अधिकारी देवानंद चैहान सहित कनिष्ठ स्टाफ सहायक श्री विजय बहादुर उपस्थित थे। इसके अतिरिक्त वरिष्ठ टेक्नीशियन राज किशोर प्रसाद, वरिष्ठ स्टाफसहायक सुश्री रेखा भोयर, ड्राफ्ट्समैन श्री वाय उमाशंकर, वरिष्ठ स्टाफ सहायक श्री पी दामोदर, संपदा निरीक्षक श्री डाकेश्वर परगनिहा, स्टाफसहायक श्री अंजनी कुमार द्विवेदी, जूनियर स्टाफ असिस्टेंट सुश्री अर्चना यादव तथा अन्य विभागीय अधिकारी व कर्मचारीगण मौजूद थे। कार्यक्रम में लघु नाट्य लेखन प्रतियोगिता एवं नारा लेखन प्रतियोगिता के विजेताओं को पुरस्कृत किया गया।

नारा लेखन प्रतियोगिता में प्रथम पुरस्कार उत्तम भाई पटेल, वरिष्ठ संपदा निरीक्षक (शॉप्स अनुभाग), द्वितीय पुरस्कार सत्यनारायण शर्मा, व्याख्याता (शिक्षा विभाग) तथा तृतीय पुरस्कार दानी प्रसाद शर्मा, प्रधान अध्यापक (शिक्षा विभाग) ने प्राप्त किया। प्रोत्साहन पुरस्कार विजेता रहे-श्री रजनीकांत वर्मा, वरिष्ठ स्टाफ सहायक, संपदा। लघु नाट्य लेखन प्रतियोगिता में प्रथम पुरस्कार श्री मुकुन्द दास मानिकपुरी, अनुभाग अधिकारी (समन्वयन), द्वितीय पुरस्कार देवानन्द चैहान अनुभाग अधिकारी (प्रवर्तन अनुभाग) तथा तृतीय पुरस्कार श्री मुकुन्द दास मानिकपुरी, अनुभाग अधिकारी (समन्वयन) ने प्राप्त किया।

प्रोत्साहन पुरस्कार विजेता रहे दानी प्रसाद शर्मा, प्रधानाध्यापक। मुख्य अतिथि मुख्य महाप्रबंधक (नगर सेवाएँ एवं सीएसआर) श्री एस व्ही नंदनवार ने अपने उद्बोधन में कहा कि हिंदी हमारी राजभाषा है। हमें हिंदी में ही पत्राचार करना है। पूरे देश को भाषा के आधार पर 'क', 'ख' और 'ग' तीन श्रेणियों में चिन्हित किया है। हम 'क' क्षेत्र में निवासरत हैं, हमारी प्रमुख भाषा हिंदी है अत: हमें शत-प्रतिशत हिंदी में कार्यव्यवहार करना चाहिए। उन्होंने ऑनलाइन वॉइस टाइपिंग को कार्यालयीन कामकाज में उपयोगी बताया।

परिजनों ने की मामले की शिकायत गृहमंत्री,डीजीपी,आईजी और एसपी से

रंजीत हत्याकांड की हो निष्पक्ष जांच,पीटर और टीपू सहित अन्य आरोपियों से भी हो पूछताछ : सिंह

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। गत दिवस शारदापारा जेपी नगर केम्प 2 निवासी मृतक रंजीत सिह पुल्लर जो कि पेशे से ट्रक चालक था। 18 जून को रात्रि साढे 11.30बजे कुछ लोगों ने मिलकर उसकी हत्या कर दी थी। मृतक रंजीत की मां कमलजीत कौर, पिता जागीर सिंह एवं उसके मामा मलकीत सिंह ने आयोजित पत्रवार्ता में आज जानकारी देते हुए बताया कि गत 18 जून को शाम 6 बजे शुभदीप डक्षसह उर्फपीटर, देवा उर्फबछड़ा रंजीत के घर आये और उसे अपने साथ स्कूटी में बिठाकर ले गये।

रात्रि 1.30 बजे लक्की सिंह और रजत सिंह घर आये और उन्होंने बताया कि रंजीत की हत्या हो गई है। उसके लाश को लाल बहादुर शास्त्री हॉस्पिटल सुपेला के मरच्यूरी में रखा गया है। पुलिस ने अब तक इस मामले में 8 लोगों को गिरफ्तार किया है, जबकि विडियों फुटेज में इनकी संख्या 18 से 20 लोगों की दिख रही है। कई जगह लगे सीसीटीव्ही फूटेज में सभी आरोपियों के चेहरे स्पष्ट नजर आ रहे हैं। शेष आरोपी आज भी खुलेआम घूम रहे है। घटना के 39 दिन बाद भी कई आरोपी पुलिस गिरफ्त से बाहर है, उसके कारण हमारे परिवार पर जान का खतरा मंडरा रहा है। उन्होंने इस मामले की शिकायत प्रदेश के गृहमंत्री ताम्रध्वज साहू, डीजीपी अशोक जुनेजा, आईजी बद्रीनारायण मीणा, एसपी डॉ अभिषेक पल्लव को भी आवेदन देकर इस मामले की निष्पक्षता के साथ जांच करने और दोषी अन्य आरोपियों को जल्द से जल्द पकडने की मांग की है। मलकीत डक्षसह ने आगे बताया कि हमारी 6 सूत्रीय मांगे शासन और प्रशासन है जिसमें मेरे भांजे की हत्या क्यों की गई कारण स्पष्ट हो,हत्या कांड का विडियों क्या जेल में भेजा गया है तो किनको भेजा गया है और क्यों भेजा गया है? रंजीत की हत्या की योजना जेल में बनी थी क्या इसकी भी पुलिस द्वारा जांच कर खुलासा किया जाना चाहिए। क्या देवा उर्फ बछड़ा भी इस हत्या के साजिश में शामिल है? अगर है तो अब तक उसकी गिरफ्तारी क्यों नही की जा रही है? देवा उर्फ बछडा के साथभी मारपीट हुई है तो ऐसे में मारने वालों पर अपराध क्यों दर्ज नही हुआ? विडियो में मृतक रंजीत का एक पुराना दोस्त टीपु उर्फ गुरदीप ईशारा करते हुए दिख रहा है, ततपश्चात लोकेश पाण्डेय अपनी दो गाडियां में अपने साथियों के साथ घटना स्थल पर पहुंचता है। गुरदीप अभी भी फरार है। इस मामले की निष्पक्षता और प्रभावी ढंग से जांच की जाये क्योंकि आरोपियों की राजनीति पकड़ बहुत तगड़ी है और सभी आरोपी रसूखदार है। हमारा परिवार काफी गरीब परिवार है, हम लोग रोजी मजूरी करके जीवन यापन कर रहे हैं। मृतक रंजीत हमारे परिवार का एक मात्र कमाने वाला लडका था जो हम लोगों को सहारा इन आरोपियों ने छीन लिया अब हमलोगों को घर चलाने के लिए दो बेटियों और मां को काम कर घर बमुश्किल से चलाना पड़ रहा है,क्योंकि मृतक रंजीत के पिता का पैर में अत्यधिक गंभीर बिमारी के कारण वे कही आ जा नही सकते है। पुलिस लोकेश पाण्डेय एवं अन्य लोगों को पुन: रिमांड पर लेकर पूछताछा करे और साथ ही टीपू और पीटर से भी इस मामले की पुन: गहराई से पूछताछ कर उन्हें भी आरोपी बनाया जाये।

पत्रवार्ता में मृतक रंजीत के मामा मलकीत ने यह भी आरोप लगाया कि लोकेश पाण्डेय ने घर दिखाने और रंजीत को घर से लाने के एवज में उसे पीटर को साढे 4 लाख रूपये दिये हैं। परिवार जनों को पुलिस ने बताया कि पीटर गिरफ्तार हुआ है लेकिन रंजीत हत्याकांड में नही अन्य मामले में गिरफ्तार किया गया है। परिवार ने रो रोकर मीडिया के सामने अपनी आप बीती पत्रवार्ता में बताई। मलकीत ने आगे बताया कि मेरे भांजे रंजीत की लोकेश पाण्डेय या अन्य किसी से भी न कोई रंजीत थी और न ही किसी प्रकार का विवाद था।

बार बार एक बात सामने आ रही है कि महादेव एप के तार रंजीत से जुडे हुए थे जोकि गलत है। रंजीत पेशे से ड्रायवर था और जिस जगह पर रंजीत रहता है वह घर आकर वे लोग देख सकते है जो लोग महादेव आईडी के धंधे में संलग्र है वे बीएमडबल्यू और जगवार जैसे कारों में घूम रहे है और विदेशों में एश कर रहे हैं। लोकेश के यहां ड्रायवर का कार्य रंजीत ने कभी नही किया है। वह मात्र 19 साल का था, उसकी भला किसी से क्या रंजीश होगी?

चरोदा बस्ती के प्राचीन कुंआ से जल लेकर 1 अगस्त को निकलेगी भव्य कावड़ यात्रा

देवबलोदा के प्राचीन शिव मंदिर में होगा जलाभिषेक

महापौर निर्मल कोसरे के अगुवाई में तैयारी शुरू

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई-3। भिलाई - चरोदा में कांवड़ यात्रा का भव्य आयोजन 1 अगस्त सोमवार किया जा रहा है। महापौर निर्मल कोसरे के नेतृत्व इस कांवड़ यात्रा में बड़ी संख्या में भगवान भोलेनाथ के भक्त शामिल होने के लिए उत्साहित हैं। चरोदा बस्ती के प्राचीन कुआं से जल लेकर कांवड़िए रवाना होंगे। फिर देवबलोदा के कल्चुरी कालीन प्राचीन शिव मंदिर में पहुंचकर भगवान भोलेनाथ का जलाभिषेक एवं रुद्राभिषेक कर भोग वितरण किया जाएगा।

सुबह 10 बजे चरोदा बस्ती के प्राचीन कुआं से अपने कावड़ में जल भरकर शिवभक्त भक्त पैदल पैदल हर हर महादेव का जयकारा लगाते हुए देवबलोदा मंदिर पहुंचेंगे। देवबलोदा के पुरातात्विक शिव मंदिर के स्वयंभू शिवलिंग का जलाभिषेक व रुद्राभिषेक करेंगें। इसके बाद भोग वितरण किया जाएगा। कांवड़ यात्रा का यह भव्य आयोजन महापौर निर्मल कोसरे के अगुवाई में होने जा रहा है। आयोजन में अधिक से अधिक शिवभक्तों को जोड़ने भिलाई - चरोदा नगर निगम क्षेत्र के सभी 40 वार्ड प्रचार प्रसार किया जा रहा है।

कांवड़ियों का होगा जगह जगह स्वागत

कांवड़ यात्रा का जगह जगह स्वागत किए जाने की तैयारी है। चरोदा बस्ती से शुरू होने वाली कांवड़ यात्रा का चरोदा बस स्टैंड के पास सबसे पहले स्वागत किया जाएगा। इसके बाद चरोदा स्टेट बैंक, पंचशील नगर पूर्व चिरू ढाबा के पास फिर आगे पंचशील नगर पश्चिम बाबा स्वीट्स के पास स्वागत की तैयारी है। मुख्यमंत्री निवास के पास पदुमनगर गेट पर स्वागत के बाद सभी कांवड़िए सिरसा गेट चौक पहुंचकर थोड़ा विश्राम करेंगे।

यहां पर उनके लिए स्वल्पाहार का इंतजाम रहेगा। कांवड़ यात्रा इसके बाद सिरसा रेलवे अण्डरब्रिज से होकर जी. केबिन होते हुए देवबलोदा पहुंचेगी। कांवड़ यात्रा का जी. केबिन के हनुमान मंदिर चौक पर भी स्वागत किया जाएगा।

जय हनुमान सेवा वाहिनी द्वारा 1 अगस्त को भव्य कावड़ यात्रा दुर्ग शिवनाथ नदी से जल लेकर जायेंगे प्रचीन देव बलौदा शिवालय

श्रीकंचपथ न्यूज

भिलाई। जय हनुमान सेवा वाहिनी द्वारा कांवड़ यात्रा का भव्य आयोजन किया जाएगा। 1 अगस्त सोमवार को सुबह 6 बजे शिवनाथ नदी से बाबा भोले नाथ के हजारों भक्तों एक साथ कावड़ यात्रा निकालेंगे। शिवनाथ नदी से अपने कावड़ में जल भरकर भक्त पैदल पैदल हर हर महादेव का जयकारा लगाते हुए देवबलोदा मंदिर पहुंचेगे।

देव बलौदा के पुरातात्विक शिव मंदिर में वर्षों पुराने शिवलिंग पर जलाभिषेक करेंगे और अपनी यात्रा का विराम देंगे। इसके बाद यहां भव्य पूजा आरती और महामृत्युंजय जाप आदि आयोजन किया जाएगा।

सेवा वाहिनी के पदाधिकारियों ने बताया कि यह आयोजन पूर्ण रूप से धार्मिक आयोजन होगा। जो आपसी भाईचारा, एकता, प्रेम, मित्रता का संदेश देगा। क्योंकि राजनीति भावनाओं से ऊपर उठ कर सिर्फ बाबा भोलेनाथ की आराधना की जाएगी और इस पावन अवसर के साक्षी और लाभार्थी सभी हों। इसके लिए आयोजक समिति ने देश के दिग्गज नेता पूर्व विधानसभा अध्यक्ष प्रेमप्रकाश पांडेय, रामजन्मोत्सव समिति के संयोजक, संरक्षक सहित सभी पदाधिकारी, दुर्ग जिला सांसद विजय बघेल, राज्य सभा सांसद सरोज पांडेय, उनके भाई राकेश पांडेय, चारू लता पांडेय सहित वैशालीनगर विधायक विद्यारतन भसीन, विधायक देवेंद्र यादव, मेयर नीरज पाल सहित शहर के सभी बड़े जनप्रतिनिधि समाज सेवी, कलेक्टर, एसपी, निगम आयुक्त सहित सभी को आमंत्रण दिया गया है। जय हनुमान सेवा वाहिनी केसंगठन मंत्री श्री डामेंद्र परगनिहा ने बताया कि यात्रा की शुरूआत सुबह 6 बजे शिवनाथ नदी से होगी।

इससे पहले यहां शिवनाथ नदी में स्नान करके सभी भक्ति नदी तट पर स्थित शिवालय में पूजा अर्चना करेंगे। महामृत्युजय का जाप करके जल,दूध,दही, फूल-फूल,बेल पत्र आदि अर्पित करेंगे। इसके बाद शिवनाथ का जल कावड़ में लेकर यात्रा की शुरूआत की जाएगी।

कृष्णा नगर की सघन बस्ती में पहुंचे आयुक्त लोकेश चंद्राकर

भिलाई। नगर पालिक निगम भिलाई के आयुक्त लोकेश चंद्राकर ने आज सुबह कृष्णा नगर के सघन बस्तियों का निरीक्षण किया। उन्होंने नाली सफाई एवं नाली निकासी की व्यवस्था देखी। आयुक्त ने कहा कि सघन एवं घनी बस्तियों में जलभराव ज्यादा होने की संभावना होती है, इसलिए नालियों की सफाई घनी बस्तियों में तेजी से होनी चाहिए, ताकि भारी बारिश में भी पानी का फ्लो बना रहे और पानी अधिक देर तक न रुके, सड़कों एवं बस्तियों में पानी न भरे। उन्होंने बस्तियों में सफाई की व्यवस्था भी देखी। सकरी बस्तियों में नाली के ऊपर कई स्थानों पर स्लैब एवं पत्थर भी रखा हुआ था जिसे हटवाकर सफाई करने के निर्देश आयुक्त ने दिए। उल्लेखनीय है कि महापौर नीरज पाल ने स्वच्छ भिलाई सुंदर भिलाई की परिकल्पना के तहत सफाई व्यवस्था में और बेहतर कार्य करने के निर्देश अधिकारियों को दिए हैं इसी तारतम्य में जोन आयुक्त अपने-अपने क्षेत्रों का निरीक्षण मॉर्निंग विजिट के तहत कर रहे हैं। निगम आयुक्त लोकेश चंद्राकर प्रतिदिन निगम के विभिन्न क्षेत्रों, वार्डो एवं मोहल्लों का निरीक्षण कर रहे हैं।

खास-खबर

पोस्टमार्टम रिपोर्ट से सामने आई सच्चाई मामूली विवाद पर पति ने की थी पत्नी की हत्या, आरोपित गिरफ्तार

रायपुर (ए)। राजधानी रायपुर के गुढ़ियारी थाना क्षेत्र में मामूली विवाद पर महिला की हत्या के मामले में पुलिस ने आरोपित पति को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस ने पोस्टमार्टम रिपोर्ट के आधार पर आरोपित पति प्रहलाद साहू के खिलाफ हत्या का प्रकरण दर्ज कर कार्रवाई की। महिला की मौत के बाद गुढ़ियारी थाना पुलिस ने राजेश साहू की रिपोर्ट पर मर्ग कायम किया। मृतक मोहिनी के पति आरोपित प्रहलाद साहू और स्वजन का बयान लिया। आरोपित ने बरामदे में लगी लोहे की ग्रिल पर कपड़े का फंदा बनाकर पत्नी के गले में बांध दिया था। फंदा के कस जाने से महिला की मौत हो गई। पोस्टमार्टम रिपोर्ट में बताया गया कि महिला की हत्या की गई है। इस पर पुलिस ने कड़ाई से पूछताछ की तो प्रहलाद ने सब कुछ उगल दिया। उसने पत्नी के साथ झगड़ा और मारपीट करने फिर गले में फंदा डालकर ग्रिल में बांध देना स्वीकार किया। पुलिस ने हत्या का मामला दर्ज कर न्यायालय में पेश किया, जहां से जेल भेज दिया।

गांजा तस्करी मामले में एक दिन पहले जेल से छूटा, दूसरे दिन कट्टे के साथ अंदर

रायपुर (ए)। गांजा तस्करी के मामले में एक दिन पहले जेल से रिहा हुए युवक को पुलिस ने दूसरे दिन कट्टा और जिंदा कारतूस के साथ गिरफ्तार किया। आरोपित राम कृष्ण तिवारी उर्फ बांगा उर्फ राम भाटापारा सिलतरा थाना धरसींवा का रहने वाला है। सिविल लाइन थाने में आर्म्स एक्ट के तहत अपराध दर्ज कर आरोपित को जेल भेज दिया गया। आरोपित कट्टा कहां से लाया था, पड़ताल की जा रही है। एंटी क्राइम एवं साइबर यूनिट की टीम को मंगलवार को सूचना मिली कि सिविल लाइन थाना क्षेत्र में एक व्यक्ति अपने पास कट्टा रखा है और किसी बड़ी घटना को अंजाम देने के फिराक में है। इस पर टीम उक्त स्थान पर पहुंची और मुखबिर के बताए हुलिए के आधार पर आरोपित को पकड़ लिया। बता दें कि एसएसपी प्रशांत अग्रवाल ने पिस्टल-कट्टा, चाकू रखकर घूमने वालों, खरीदी-बिक्री करने वालों की जानकारी एकत्र कर कार्रवाई करने के निर्देश दिए हैं।

अवैध शराब परिवहन करते आरोपित गिरफ्तार

रायपुर (ए)। बिक्री के लिए शराब का अवैध परिवहन करने वाले आरोपित को पुलिस ने गिरफ्तार किया है। तिल्दा नेवरा पुलिस ने 49 पौवी देशी शराब के साथ आरोपित को गिरफ्तार किया है। आरोपित पितांबर निषाद उर्फछोटू निवासी सड्डु थाना, धरसींवा का रहने वाला है। उसके पास से आबकारी एक्ट के तहत अपराध दर्ज किया गया है। तस्करी में प्रयुक्त दो पहिया वाहन भी जब्त किया गया है।

उपभोक्ता आयोग में 90 दिन में होना है फैसला, लेकिन मामले 10-10 साल से लंबित, 8 जिलों में अध्यक्ष नहीं

रायपुर (ए)। उपभोक्ताओं के कल्याण के लिए बनाए गए राज्य उपभोक्ता आयोग की सेहत ठीक नहीं हैं। प्रदेश के 8 बड़े जिलों में अध्यक्ष ही नहीं हैं। लगभग डेढ़ सालों से उपभोक्ताओं से जुड़े मामलों का सुनवाई नहीं हो रही है। अभी प्रदेशभर में उपभोक्ता से जुड़े 10435 मामले लंबित हैं। इनमें अकेले रायपुर में लगभग 3500 मामले लंबित हैं।

इसी तरह बिलासपुर में 1450 और दुर्ग 2620 मामले लंबित हैं। बता दें कि उपभोक्ता आयोग में किसी भी प्रकरण का 90 दिनों के भीतर में निपटारा करना होता है, लेकिन प्रदेश में ऐसा नहीं हो रहा है। वहीं राज्य उपभोक्ता आयोग में 450 मामले लंबित हैं। पड़ताल से पता चला कि रायपुर, बिलासपुर, दुर्ग, अंबिकापुर, जगदलपुर, जांजगीर-चांपा, कोरबा और धमतरी जिले में अध्यक्ष के पद रिक्त हैं। इसके अलावा कई जिलों में सदस्य भी नहीं हैं। रायपुर में मार्च माह से अध्यक्ष पद खाली है। बाकी जिलों में ये पद एक साल से ज्यादा समय से खाली हैं। उपभोक्ता मामलों के अधिवक्ता राजेश कुमार भावनानी ने बताया कि रायपुर में 10 साल से न्याय पाने के लिए कई ऐसे लोग है, जो आखिरी सुनवाई तक पहुंचाने के बाद उनको निराशा हाथ लग चुकी हैं। क्योंकि जिस माह मामले की सुनवाई होनी थी उसी माह अध्यक्ष का ट्रांसफर कर दिया, जो अभी तक नियुक्ति नहीं हुई है। रायपुर उपभोक्ता आयोग के सदस्य संग्राम सिंह ने बताया कि पहले कोर्ट के जरिए नियुक्ति दी जाती थी, लेकिन अब व्यवस्था बदल दी गई है। अध्यक्ष के अभाव में केस तो ले रहे हैं, लेकिन पंजीयन नहीं कर सकते।

राज्य के 12 जिलों में पूर्णकालीन आयोग

प्रदेश में 12 जिले ऐसे है जो पूर्णकालीन है। जहां अध्यक्ष समेत जज, सदस्य होते हैं। बाकी जिलों में इन्हीं में से अध्यक्ष को प्रभार देकर सुनवाई सुनवाई करते हैं।

एक रिटायर्ड जज के पास चार से पांच जिलों का प्रभार

वर्तमान में चार रिटायर्ड जज के पांच से

अधिक जिलों का प्रभार है। जहां पर वे प्रकरणों का सुनवाई करते है। इस कारण जज, अध्यक्ष, सदस्य की कमी के कारण उपभोक्ता को लंबा इंतजार करना पड़ जाता है।

छत्तीसगढ़ बिजली कंपनी में कार्यरत चार कर्मियों के परिजनों ने बीमा राशि प्राप्त करने के लिए क्लेम किया। 10 साल से अधिक हो गए। अंतिम सुनवाई होनी थी, लेकिन अध्यक्ष पद खाली होने के कारण मामला लंबित हो गया है।

एसी कंपनी के खिलाफ लड़ाई 7 साल से विचाराधीन

राजधानी के किशोर माखीजा ने एक निजी कंपनी से एसी खरीदी थी। कुछ दिन बाद ही एसी खराब हो गई। उसके बाद किशोर ने जिला उपभोक्ता आयोग का दरवाजा खटकाया। मामला सात साल से ज्यादा समय से चल रहा है। अध्यक्ष नहीं होने के कारण सुनावई नहीं हो रही।

अधिवक्ता राजेश कुमार भावनानी ने बताया कि 2020 में कोविड महामारी के दौरान कई कंपनियों ने लोगों की बीमा करवाई है। कंपनियों ने कहा कि कोविड मरीज 72 घंटे भर्ती रहा तो 2.50 लाख रुपए दिया जाएगा। लेकिन ऐसा नहीं किया। 50 से अधिक केस लंबित हैं।

उपभोक्ता आयोग में अध्यक्ष और सदस्यों की नियुक्ति जल्द की जाएगी। अब उपभोक्ताओं को न्याय पाने के लिए लंबा इंतजार नहीं करना पड़ेगा।

-अमरजीत भगत, मंत्री, खाद्य एवं उपभोक्ता संरक्षण

दो दिन से लापता व्यापारी का शव नदी में मिला कर्ज से परेशान होने की बात आई सामने

रायपुर (ए)। राजधानी रायपुर के राजेंद्र नगर से दो दिन पहले लापता व्यापारी का शव कुम्हारी ओवरब्रिज के नीचे खारुन नदी से मिला। मृतक के पास अथवा उसके घर से सुसाइट नोट नहीं मिला है। प्राथमिक रूप से पुलिस को हत्या जैसी आशंका नहीं दिख रही है। सत्य जानने के लिए पुलिस शार्ट पीएम रिपोर्ट की प्रतीक्षा कर रही है। राजेंद्र नगर पुलिस ने बताया कि कपड़ा कारोबारी अजय थौरानी (42 वर्ष) सोमवार दोपहर तीन बजे दुकान से निकला था। इसके बाद से वह लापता था। परिजनों ने गुम इंसान की रिपोर्ट दर्ज करवाई। कारोबारी के पास दो मोबाइल नंबर थे। दोनों बंद थे। पुलिस ने जांच शुरू की। मंगलवार की शाम को कुम्हारी पुल पर कारोबारी की एक्टिवा मिली। समीप के एक सीसीटीवी फुटेज में वह अकेले जाते दिखा। जिसके बाद पुलिस ने नदी में खोज शुरू की। बुधवार को खारुन नदी में अजय का शव मिला।

मोबाइल नहीं मिले पुलिस को

कारोबारी के पास दो मोबाइल फोन थे। दोनों गायब हैं। फोन मिलने के बाद जांच की दिशा और आगे बढ़ सकेगी। मृतक के पास से उसका एटीएम कार्ड मिला है।

उधारी थी मार्केट में, जिसके चलते परेशान

मिली जानकारी के अनुसारी, व्यापारी राजेंद्र नगर क्षेत्र में कपड़े का कारोबार करता था। उसने कुछ लोगों से पैसे उधार ले रखे थे। जिसके चलते वह परेशान चल रहा था।

बीवी को इतना सताया कि उसने खुदकुशी कर ली, घटना के 10 साल बाद पति गिरफ्तार

रायगढ़ (ए)। रायगढ़ पुलिस ने अपनी पत्नी को आत्महत्या करने के लिए उकसाने वाले पति को गिरफ्तार किया है। वो आए दिन अपनी पत्नी से झगड़ा करके उसके साथ मारपीट करता था। जिसके चलते महिला ने फांसी लगाकर खुदकुशी कर ली थी। इस मामले में जांच के बाद पुलिस ने आरोपी के खिलाफ केस दर्ज किया था। अब घटना के 10 साल बाद आरोपी को पकड़ा गया है। मामला लैलूंगा थाना क्षेत्र का है।

10 जनवरी 2021 को लमडांड निवासी कुमारी भुईहर(32) ने अपने घर में फांसी लगाकर जान दे दी थी। जिसके बाद पुलिस ने इस मामले में जांच शुरू की थी। पुलिस को जांच में ये पता चला कि महिला का पति राजकुमार(37) उसे काफी परेशान करता था। रोज उससे झगड़ा और मारपीट करता था। जिसके चलते उसने खुदकुशी कर ली है। मामले में जांच के बाद पुलिस ने आरोपी के खिलाफ मंगलवार को मामला दर्ज किया था। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ उसकी बीवी को आत्महत्या करने के लिए उकसाने का मामला दर्ज किया था। मगर आरोपी फरार हो गया था। फिर पुलिस ने आरोपी की तलाश की है और उसे गिरफ्तार कर लिया है।

जादू-टोने के शक में महिला को मारी गोली

भतीजे ने 3 लाख में दी थी सुपारी, बोला-जेल जाने का गम नहीं, पत्नी-बच्चे सुरक्षित रहेंगे

जशपुर (ए)। छत्तीसगढ़ के जशपुर में 3 दिन पहले वृद्ध महिला की गोली मारकर की गई हत्या का खुलासा पुलिस ने कर दिया है। पुलिस ने इस मामले में 3 आरोपियों को गिरफ्तार किया है। इसमें महिला का भतीजा भी शामिल है। उसने हत्या के लिए 3 लाख रुपए की सुपारी शूटरों को दी थी। शक था कि महिला उसकी पत्नी और बच्चे पर जादू-टोना करती है। इसके चलते दोनों बीमार रहते हैं। हालांकि 3 शूटरों का पता नहीं चला है। मामला आरा चौकी इलाके का है।

जानकारी के मुताबिक, शहर की बांकीटोली निवासी भिनसो बाई (65) की रविवार शाम गोली मारकर हत्या कर दी गई थी। भिनसो बाई अपने मायके डभनीपानी हाकुकोना गई हुई थी। बताया जा रहा है कि 4 लोग वहां पहुंचे और दरवाजा खटखटाया। भिनसो बाई ने दरवाजा खोला तो शराब की मांग की। भिनसो बाई ने मना किया तो एक युवक ने कट्टा निकाला और कनपटी पर फायर कर दिया। इसके बाद कमरे में शव धकेल भाग गए।

दामाद की मदद से झारखंड से बुलवाए शूटर

पुलिस ने जांच शुरू की तो पता चला कि भिनसा बाई का भतीजा बाकीटोला निवासी रवि शंकर महतो (63) टोनही का संदेह करता था। कुछ दिन पहले उसका इस बात को लेकर भिनसा बाई से झगड़ा भी हुआ था। इसके आधार पर पुलिस ने रविशंकर महतो को हिरासत में ले लिया। उससे पूछताछ की तो उसने अपने दामाद झारखंड के गुमला निवासी लगन महतो के सहयोग से शूटर अनिल साहू और साथियों को बुलवा कर सुपारी दी।

रविशंकर महतो ने पुलिस को बताया कि उसका लड़का अक्सर बीमार रहता है। उसे शक था कि बड़ी मां ने उसके पुत्र को कुछ कर दिया है। कुछ दिन पहले अंध विश्वास, जादू-टोना की बात को लेकर उनके बीच लड़ाई-झगड़ा हुआ था। आरोपी रविशंकर ने बताया कि उसने भिनसा बाई के बारे में पता किया कि वह कहां है। इसके बाद उसके मायके और फिर उसके भाई के घर में जाकर जानकारी जुटाई। इसके बाद वारदात को अंजाम दिया।

पुलिस पूछताछ में रविशंकर ने कहा कि उसे भिनसा बाई की हत्या करवाए जाने का कोई दुख नहीं है। उसे जेल जाने का भी गम नहीं है। उसे इस बात की तसल्ली है कि भिनसा बाई की मौत के बाद उसकी पत्नी और बच्चे सुरक्षित हो गए हैं। आरोपी रविशंकर महतो से पुलिस ने बैंक पासबुक, बाइक, मोबाइल, लगन महतो से मोबाइल, अनिल साहू से वारदात के लिए दी गई सुपारी के 20 हजार और 75 सौ रुपए जब्त कर लिए हैं।

करीब 16 दिन पहले इसी तरह बदमाशों ने दोकड़ा चौकी इलाके में दंपती की गोली मारकर हत्या कर दी थी। पति के माथे पर और पत्नी की कनपटी पर गोली मारी गई थी। बदमाशों ने पहले शराब के लिए पूछा, फिर दोनों पर फायर कर दिया था। पुलिस ने इस मामले में 3 लोगों को गिरफ्तार किया है। पता चला कि मामला जमीन विवाद का था। हत्या के लिए सुपारी दी गई थी। हालांकि गोली मारने वाले बदमाशों का अभी तक पता नहीं चल सका है।

फेसबुक की विदेशी फ्रेंड के चक्कर में फंसा निजी स्कूल का संचालक, 16 लाख गंवाए

रायपुर (ए)। फेसबुक की विदेशी महिला मित्र के चक्कर में फंसकर निजी स्कूल के संचालक ने 16 लाख 42 हजार 198 रुपये गंवा दिया। युवती ने संचालक से कहा कि उसके पास विदेशी करेंसी और एक किलो सोना है। उसने इसे भारत भेजने की बात की। उसके बाद डिलीवरी के नाम पर कई किश्तों में ये पैसे वसूले गए। ठगी के शिकार अम्भोज प्रसाद पाठक (58 वर्ष) हुए। उन्होंने रिपोर्ट करते समय पुलिस को बताया कि 2020 में उनके पास एक विदेशी युवती की फेसबुक में फ्रेड रिक्वेस्ट आई थी। बाद में वाट्सएप पर बातें होने लगी। इसी बीच झांसा देकर ठगी कर ली गई।

पहले फेसबुक फिर वाट्सएप पर बात

प्रार्थी ने बताया कि नवंबर-2020 में उनके फेसबुक में 'ईल्ली हुरेंडेज नाम से फ्रेंड रिक्वेस्ट आई। उन्होंने उसे मित्र बना लिया। कुछ समय के बाद वाट्सएप नंबर भी दे दिया। फिर उस नंबर पर लगातार बातें होने लगी। इस बीच उस युवती ने इन्हें पिता के मौत होने, मां के बीमार होने की बात कही। इससे पाठक भावुक हो गए। तभी युवती ने कहा कि उसकी नौकरी कहीं और लग गई है।

उसके पास कुछ विदेशी करेंसी और एक किलो सोने का सिक्का है। जिसे वह उन्हें भेज देती है। दो दिन के बाद, पांच नवंबर-2020 को दिल्ली से फोन आया कि उनके नाम से मनी बाक्स आया है। फोन करने वाले ने अपना नाम संजय सिंह बताया। उसने पाठक को कहा कि इस मनी बाक्स को छुडाने के लिए 39 हजार 500 रुपये लगेगा। पाठक ने पहले पैसे देने से मना किया।

फोन धारक ने कहा यदि समय पर पैसा नहीं देते हैं तो प्रतिदिन के हिसाब से दो हजार रुपये जुर्माना लगेगा। पुलिस के अनुसार, पाठक ने डरकर के कथित संजय सिंह के बताए बैंक खाते में 47 हजार रुपये डाल दिए। इसके बाद स्क्रीनिंग चार्ज के सार्टिफिकेट के नाम पर दो लाख 95 हजार के बाद अलग-अलग किश्तों में 10 से ज्यादा बैंक खाते में 16 लाख से अधिक की रकम डलवा ली गई।

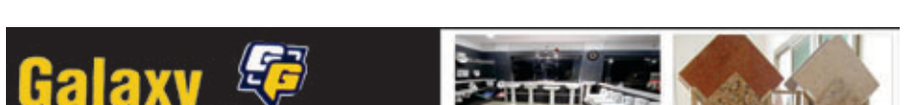

हरेली तिहार

के गाड़ा-गाड़ा बधई
अउ शुभकामना

छत्तीसगढ़ शासन
सत्यमेव जयते

अब गौमूत्र से भी मुद्रा

गोधन न्याय योजना का बढ़ा दायरा

हरेली से क्रांतिकारी शुरुआत

श्री भूपेश बघेल
मुख्यमंत्री, छत्तीसगढ़

₹4
प्रति लीटर

की दर से अब
गौमूत्र की खरीदी

- पशुपालकों की आय में वृद्धि
- जैव कीटनाशकों और जैव उर्वरक का उत्पादन
- प्रदेश में जैविक खेती की क्रांति

गोधन से संवरती ग्रामीण अर्थव्यवस्था

- अब तक ग्रामीणों, पशुपालकों, महिला स्वयं सहायता समूहों और गोठान समितियों को 300 करोड़ से ज्यादा का भुगतान
- गोबर से 16 लाख क्विंटल से अधिक वर्मी कम्पोस्ट व सुपर कम्पोस्ट का उत्पादन
- गौठानों में बहुगतिविधि केंद्रों से बड़े पैमाने पर रोजगार सृजन

RO-33345/38

न्याय और सशक्तीकरण का छत्तीसगढ़ मॉडल

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक, प्रकाशक राजेश अग्रवाल द्वारा मिशन मीडिया प्रा. लि. छत्तीसगढ़ भवन, प्रेस काम्पलेक्स, रजबंधा मैदान, रायपुर (छ.ग.) से मुद्रित कर, 204 आकाशगंगा सुपेला, भिलाई जिला दुर्ग (छ.ग.) से प्रकाशित। संपादक राजेश अग्रवाल shreekanchanpath2010@gmail.com, Mo - 9303289950